वर्ष 24, अंक 151, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 10 दिसंबर 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

वंदे मातरम बोलने पर इंदिरा जी ने डाल दिया था जेल: अमित शाह

कांग्रेस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, राज्यसभा में जोरदार बहस

नई दिल्ली

अमित शाह ने राज्यसभा में वंदे मातरम पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के शासनकाल में राष्ट्रगीत बोलने वालों को जेल भेजा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति ने देश के विभाजन में योगदान दिया। शाह के अनुसार, नेहरू ने गीत को विभाजित किया और आपातकाल में वंदे मातरम बोलने पर प्रतिबंध लगाया गया, जिससे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को ठेस पहुंची।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राष्ट्रगीत का दमन इंदिरा गांधी के शासनकाल में शुरू हुआ, जब "वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया गया" और अखबार बंद कर दिए गए। शाह ने कहा कि भारत में किसी भी महान रचना की हर बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाया जाता है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के कारण पिछली वर्षगांठों पर वंदे मातरम को उचित मान्यता नहीं मिली।

अमित शाह ने विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी और अखबारों पर सेंसरशिप को याद करते हुए कहा कि जब वंदे मातरम के 50 साल पूरे हुए, तब देश स्वतंत्र नहीं हुआ था। जब इसकी स्वर्ण जयंती आई, तो जवाहरलाल नेहरू ने इसे दो भागों में विभाजित कर दिया। जब यह 100 साल का हो गया, तो इसका कोई महिमामंडन नहीं हुआ क्योंकि आपातकाल के दौरान इंदिरा जी ने वंदे मातरम बोलने वालों को जेल में डाल दिया था।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत को लेकर पार्टी की तुष्टिकरण की राजनीति ने भारत के विभाजन में योगदान दिया। शाह ने कहा कि मेरे जैसे कई लोग मानते हैं कि अगर कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की नीति के तहत वंदे मातरम का विभाजन नहीं किया होता, तो देश का विभाजन नहीं होता और आज देश अखंड होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनी स्वर्ण जयंती के दौरान गीत को दो छंदों तक सीमित करने के फैसले ने राजनीतिक तुष्टिकरण की शुरूआत की।

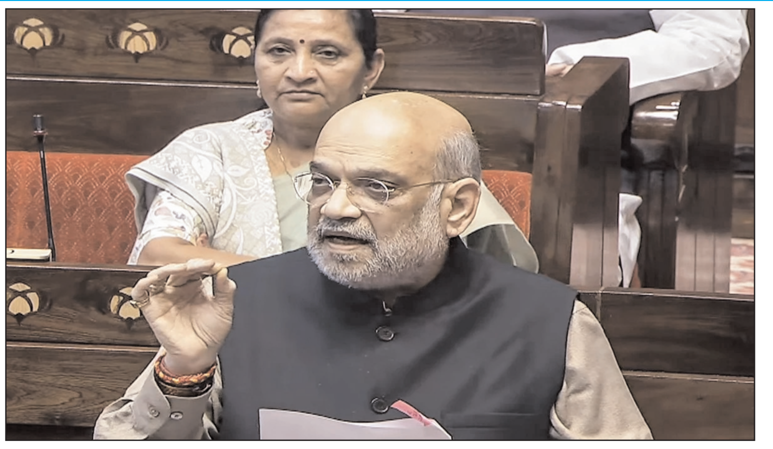

शाह ने आरोप लगाया कि कई भारतीय ब्लॉक नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से वंदे मातरम गाने से इनकार किया है, और ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया जब गीत गाए जाने पर सदस्य लोकसभा से बहिर्गमन कर गए थे। उन्होंने कहा, "उस समय, जब हम वंदे मातरम गाना शुरू कर रहे थे, तो इंडिया गठबंधन के कई लोगों ने कहा था कि वे इसे नहीं गाएंगे।" सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए भाजपा के दीर्घकालिक प्रयासों को याद करते हुए, शाह ने कहा कि पार्टी ने संसद में राष्ट्रगीत गायन की परंपरा को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 1992 में, भाजपा सांसद राम नाइक ने वंदे मातरम गायन को फिर से शुरू करने का मुद्दा उठाया था। उस समय, विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा अध्यक्ष से इस प्रथा को बहाल करने का पुरजोर आग्रह किया था। लोकसभा ने सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी थी।

'वोट चोरी से बड़ा कोई राष्ट्र विरोधी काम नहीं', लोकसभा में राहुल गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना

लोकसभा में राहुल गांधी ने मंगलवार (9 दिसंबर) को चुनाव सुधार पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए, केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया. इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर संदेह जाहिर किया, साथ ही सत्ता पक्ष पर वोट चोरी जैसे गंभीर आरोप लगाए. साथ ही स्पष्ट कर दिया कि वो बिना सबूत के किसी तरह के आरोप नहीं लगाते हैं. उन्होंने कहा है कि सत्ता पक्ष के इशारों पर चुनाव आयोग काम कर रहा है.

राहुल ने अपने पूरे भाषण में आरएसएस पर भी निशाना साधा. साथ ही कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को भी कब्जे में लिया जा रहा है.

वोट चोरी से बड़ा एंटी नेशनल कोई काम नहीं

राहुल गांधी आज चुनाव सुधार मामले में अपने पूरे तेवर पर थे. उन्होंने कहा कि बीजेपी के इशारे पर स्पेशल इंटेन्सिव रिविजन की प्रक्रिया की गई. डुप्लिकेट वोटर्स का चुनाव आयोग के पास जवाब नहीं है. राहुल ने कहा है कि वोट चोरी एंटी नेशनल काम है. हमारा देश एक फैब्रिक की तरह है. इसके सारे धागे एक जैसे हैं. सभी लोग बराबर हैं.

हरियाणा में चुनाव चोरी किया गया

राहुल गांधी ने चुनाव सुधार की बहस में कहा कि हरियाणा में चुनाव चोरी किया गया. उन्होंने ब्राजील मॉडल का जिक्र करते हुए बताया कि ब्राजील की मॉडल का नाम 22 बार वोटर लिस्ट में आया, एक महिला का नाम 200 बार वोटर लिस्ट में आया है.

चुनाव आयुक्त चुनाव प्रक्रिया के नियम बदले गए

राहुल ने संसद में कहा कि चुनाव आयुक्त को चुनने के लिए नियम बदले गए. चुनाव आयोग पर कब्जा किया गया. लोकतंत्र खत्म करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया जा रहा है. चीफ इलेक्शन कमिश्नर को चुनने की प्रक्रिया में सत्ता पक्ष की चलती है. साथ ही राहुल गांधी ने सवाल किया है कि चीफ जस्टिस को चुनाव आयुक्त चुनने की प्रक्रिया में क्यों शामिल नहीं किया गया है.

आरएसएस पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने देश की संवैधानिक संस्थाओं को कब्जाने का आरोप भी आरएसएस के सिर मढ़ दिया है. उन्होंने तीखा हमला करते हुए कहा है कि आरएसएस ने महात्मा गांधी की हत्या के बाद भारत की संवैधानिक संस्थाओं, इंस्टीट्यूशन में आरएसएस की तरफ से संगठन की भूमिका बढ़ाने के आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि संघ का मकसद गांधी की हत्या करने के बाद इन संस्थानों को कब्जाना था.

राहुल ने कहा, 'मैं कह रहा हूं कि भारत के इंस्टीट्यूशन्स पर कब्जा किया जा रहा है. मैं इस बात पर आऊंगा कि इलेक्शन कमीशन पर कब्जा किया जा रहा है.

RSS का प्रोजेक्ट देश के इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क पर कब्जा करना था. वाइस चांसलर के बाद वाइस चांसलर को मेरिट पर नहीं, काबिलियत पर नहीं, बल्कि इस बात पर रखा जाता है कि वह किसी खास संगठन से जुड़ा है।

माइक्रोसॉफ्ट करेगा 1.57 लाख करोड़ का बड़ा निवेश

भारत में बनेगा अकहब, पीएम मोदी से मिले नडेला का ऐलान

नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने मंगलवार को घोषणा की कि वह भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विकास हेतु आवश्यक बुनियादी ढाँचे और कौशल निर्माण हेतु 17.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहे हैं, जो एशिया में कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। उन्होंने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। नडेला ने ट्वीट किया भारत के एआई अवसर पर प्रेरक बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, धन्यवाद। देश की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट भारत के एआई-प्रधान भविष्य के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे, कौशल और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद के लिए एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा निवेश - 17.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर - करने की प्रतिबद्धता जता रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर योजना

प्रधानमंत्री मोदी के साथ नडेला की यह मुलाकात इस साल की शुरूआत में उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि कंपनी अगले दो वर्षों में भारत में क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किलिंग में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगी, जिसमें नए डेटा सेंटर की स्थापना भी शामिल है। कंपनी अगले पाँच वर्षों में देश में 1 करोड़ लोगों को एआई कौशल प्रशिक्षित करने में भी मदद करेगी। अपने माइक्रोसॉफ्ट एआई टूर के बेंगलुरु चरण में नडेला ने कहा कि भारत एआई नवाचार में तेजी से अग्रणी बन रहा है और देश भर में नए अवसर पैदा कर रहा है। आज हम बुनियादी ढाँचे और कौशल विकास में जिस निवेश की घोषणा कर रहे हैं, वह भारत को एआई-प्रमुख बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अदालत में सोनिया गांधी पर उठ गया बड़ा सवाल

नई दिल्ली

जिस दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेर रहे थे, ठीक उसी दिन उनकी माँ और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से जुड़ा एक पुराना लेकिन गंभीर आरोप फिर सुर्खियों में आ गया। दरअसल, दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आज कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस से उस पुनरीक्षण याचिका पर जवाब माँगा, जिसमें यह चुनौती दी गई है कि मजिस्ट्रेट ने 1980 में उनके नाम को मतदाता सूची में शामिल किए।

किस वक्त पराली ज्यादा जला रहे पंजाब-हरियाणा के किसान

मॉनिटरिंग को कैसे दे रहे धोखा?

पंजाब

हाल ही में हुई एक स्टडी के अनुसार सामने आया है कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने का पैटर्न पिछले कुछ सालों में बदल गया है. अब पंजाब और हरियाणा के किसान पहले की तरह सुबह है या दोपहर में पराली नहीं जलाते हैं. इसकी वजह से देश की ऑफिशियल सैटेलाइट मॉनिटरिंग व्यवस्था हालत पकड़ नहीं पा रही. दरअसल इंटरनेशनल फोरम फॉर एनवायरनमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी की नई स्टडी बताती है कि सरकार जिन आंकड़ों को आधार बनाकर हवा की गुणवत्ता और प्रदूषण की रणनीति तय करती है, वे अधूरी तस्वीर पेश करते हैं. ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि पंजाब और हरियाणा के किस-किस वक्त पराली ज्यादा जला रहे हैं और इससे मॉनिटरिंग को कैसे धोखा दिया जा रहा है?

दोपहर के बाद पराली जलाने का नया ट्रेड

आईफॉरेस्ट की नई स्टडी में सामने आया है कि पंजाब और हरियाणा के ज्यादातर किसानों ने अब पराली देर दोपहर और शाम के समय जालना शुरू कर दिया है. आईफॉरेस्ट की मल्टी सैटेलाइट स्टडी की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब में 2024 और 2025 के 90 प्रतिशत से ज्यादा बड़े फायर तीन बजे बाद हुए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा केवल 3 प्रतिशत था. वहीं हरियाणा में भी 2019 से ही ज्यादातर बड़े खेतों में पराली 3 बजे के बाद जलाई जाने लगी, जिसका मतलब है कि कई सालों से असली मामलों की गिनती कम दिख रही है।

रिलायंस की दो कंपनियों पर करोड़ों रुपए के बैंक फ्रॉड का आरोप

पुणे

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिलायंस अऊअ ग्रुप की दो बड़ी कंपनियों रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ बैंक फ्रॉड के दो अलग-अलग मामलों में केस दर्ज किया है. दोनों मामलों में आरोप है कि कंपनियों ने कई बैंकों को धोखा दिया, जिससे बैंकों को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा है.

इसमें पहला मामला RCFL पर 57.47 करोड़ का बैंक फ्रॉड का है. बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शिकायत पर उइक ने रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, उसके डायरेक्टर्स और कुछ अज्ञात बैंक अधिकारियों पर क्रिमिनल केस दर्ज किया है. RCFL का अकाउंट 25 मार्च, 2020 को NPA घोषित हुआ. 4 अक्टूबर, 2025 को बैंक ने इसे फ्रॉड की कैटेगरी में डाल दिया. बैंक का आरोप है कि कंपनी ने उन्हें 57.47 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया.

सीबीआई ने की छापेमारी, मिले कई अहम सबूत

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मुताबिक, कंपनी कई बैंकों और NBFCs से कुल 9,280 करोड़ रुपये के लोन ले रही थी. उइकअब ये जांच करेगी कि क्या इन सभी बैंकों को भी इसी तरह नुकसान पहुंचाया गया है.

इस मामले में CBI ने कोर्ट से मिले वारंट के बाद, मुंबई में RCFL के ऑफिस और कंपनी के डायरेक्टर देवांग प्रवीन मोदी के पुणे स्थित घर पर छापेमारी अभियान शुरू किया. छापेमारी के दौरान उइक को कई अहम डॉक्यूमेंट मिले है।

इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स का दावा, फ्लाइट ऑपरेशन अब सामान्य

यात्रियों को अब नहीं होगा परेशान!

नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइंस ने देश भर में सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने और देरी के कारण भारतीय हवाई अड्डों पर मची अफरा-तफरी के लगभग एक हफ्ते बाद अपना परिचालन बहाल कर दिया है। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने मंगलवार को जारी एक नए बयान में यात्रियों से माफी मांगी है। इंडिगो के सीईओ एल्बर्स ने एयरलाइन के "बड़े परिचालन व्यवधानों" के कारण "उन्हें निराश" करने के लिए हजारों प्रभावित यात्रियों से माफी मांगी है।

सीईओ पीटर एल्बर्स ने एक बयान में कहा कु हमारे पिछले संवाद के बाद, मैं यह साझा करने के लिए यहाँ हूँ कि हमारी एयरलाइन, इंडिगो, अपने पैरों पर वापस आ गई है और हमारा परिचालन स्थिर है। जब एक बड़ा परिचालन व्यवधान हुआ तो हमने आपको निराश किया, और हमें इसके लिए खेद है। हवाई यात्रा की खूबसूरती यह है कि यह लोगों, भावनाओं, महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को एक साथ लाती है, और हम जानते हैं कि आप विभिन्न कारणों से यात्रा कर रहे हैं।

हजारों फंसे हुए ग्राहकों को राहत पहुँचाने की एयरलाइन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, सीईओ ने कहा कि आपमें से हजारों लोग यात्रा नहीं कर पाए, और हम इसके लिए बेहद खेद व्यक्त करते हैं।

कोडीन कफ सिरप मामले में एक्शन में योगी सरकार

SIT गठित, ये 3 अफसर करेंगे जांच

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री, भंडारण और तस्करी मामले में विशेष जांच दल का गठन किया गया. आईजी लॉ एंड ऑर्डर एल.आर. कुमार को एसआईटी का अध्यक्ष बनाया गया. वहीं एसएसपी एसटीएफ सुशील धूले चंद्रभान और एफएसडीए के अखिलेश कुमार जैन को इसका सदस्य बनाया गया है.

गृह सचिव मोहित गुप्ता की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एलआर कुमार की अध्यक्षता में विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील घुले चंद्रभान और सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अखिलेश कुमार जैन की तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है. सचिव के अनुसार एक माह में रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी.

मामले को गंभीरता से ले रही सरकार'

इसके पहले सोमवार को प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार इस मामले को ह्यबेहद गंभीरताह्न से ले रही है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक एसआईटी गठित की जा रही है. प्रसाद ने बताया कि जांच के लिए आईजी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की जा रही है. एसआईटी में खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्राधिकरण (एफडीएसए) के अधिकारी भी शामिल होंगे.

सभी जारी जांचों की नियमित समीक्षा करेगी SIT

संजय प्रसाद ने कहा कि यह एसआईटी सभी जारी जांचों की नियमित समीक्षा करेगी, अभियुक्तों से प्राप्त जानकारी से उभरने वाले हर सुराग को जोड़ेगी, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई तय करेगी और सभी संबंधित वित्तीय लेनदेन की गहन जांच करेगी.

सरकार की तरफ से कहा गया कि पिछले दिनों में कोडीन युक्त कफ सीरप की अवैध बिक्री भंडारण और तस्करी की गिरोह बनाकर अवैध रूप से आर्थिक भौतिक लाभ अर्जित करने की आपराधिक मामले सामने आए थे. इस संबंध में कई जनपदों में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत हुई है, जिसकी विवेचना संबंधित जनपदीय पुलिस द्वारा अपने स्तर से की जा रही है. कोडीन सिरप से सम्बन्धित प्रकरण अन्तर्जनपदीय एवं अन्तर्विभागीय होने से दृष्टिगत ऐसी घटनाओं के नियंत्रण एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई के लिए निम्नवत विशेष जांच दल किया जाता है।

पांच-पांच लाख के इनामी गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर, अरमान के घर कुर्की का नोटिस चस्पा

अखंड भारत संदेश

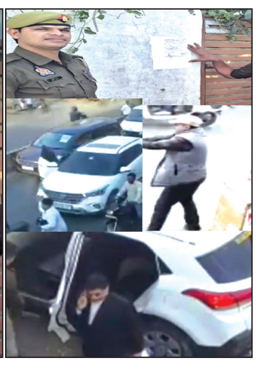
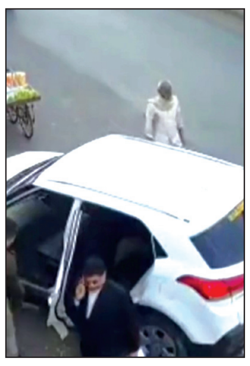

प्रयागराज। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर और अरमान के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया। राजू पाल मर्डर केस के मुख्य गवाह रहे उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर और अरमान के घर पर प्रयागराज पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार शाम एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बदमाशों के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया। कार्रवाई से पहले पुलिस ने डुगडुगी बजवाकर मुनादी कराई। धूमनगंज प्रभारी अमरनाथ राय ने 24 अक्तूबर 2024 को थाने में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली और उमर समेत कुल 15 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें फरार चल रहे पांच-पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान भी शामिल थे। इसी मामले में सोमवार शाम एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह टीम के साथ सिविल लाइंस जीबी रोड निवासी अरमान, खुल्दाबाद के चकनिरतुल निवासी गुड्डू मुस्लिम और पूरामुफ्ती के मरियाडीह निवासी साबिर के घर पहुंची। डुगडुगी बजवाकर न्यायालय के आदेश को पढ़कर लोगों को सुनाया गया। इस दौरान भीड़ जुटी रही। एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि पांच लाख के इनामी बमबाज गुड्डू मुस्लिम, शूटर अरमान और साबिर के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। अगले एक महीने के भीतर अगर आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर नहीं किया तो सभी के मकानों की कुर्की की जाएगी। बता दें कि 24 फरवरी 2023 को हुए उमेश पाल हत्याकांड ने प्रदेश में सनसनी फैला दी थी।धूमनगंज में माफिया अतीक अहमद के शूटरों ने अधिवक्ता उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर पर बम व ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी थी।अधिकारियों के मुताबिक, इस बात के प्रमाण मिले हैं कि यह गैंग आर्थिक लाभ के लिए संगठित होकर अपराध करता रहा है। पूर्व में यह गैंग अतीक व अशरफ की सरपरस्ती में संचालित होता रहा। इसके बाद गैंग का सरगना अतीक का बेटा अली था। धूमनगंज में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान फरार चल रहे हैं।

झूंसी में रेलवे की जमीन पर हुए अवैध अतिक्रमण ध्वस्त

झूंसी। रेलवे प्रशासन ने मंगलवार को झूंसी रेलवे स्टेशन के निकट अपनी 21 एकड़ बहुमूल्य जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। यह जमीन झूंसी कोहना में ल रेलवे स्टेशन के बगल में स्थित है और इसे जल्द ही सेना को हैंडओवर किया जाना है। रेलवे की भूमि पर किए गए अवैध निमार्णों के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान डेढ़ दर्जन से अधिक अस्थायी और स्थायी निमार्णों को, जिनमें कुछ दुकानें भी शामिल थीं, जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि जमीन को सुरक्षित रखने के लिए पहले ही चारों ओर फेंसिंग लगाई गई थी, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने फेंसिंग काटकर दोबारा अवैध कब्जा कर लिया था। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अमित कुमार और बीके पांडे के नेतृत्व में तथा आरपीएफ की मौजूदगी में यह कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को कड़ी चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति रेलवे की जमीन पर दोबारा अतिक्रमण करने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बढ़ रहे हैं बेटियों के हौसले : सशक्त बन रही हैं बेटियां

अखंड भारत संदेश

थरवई। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान को लेकर मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत शिक्षण संस्थानों, प्रमुख बाजारों व चौपालों के माध्यम से प्रत्येक थानों द्वारा मिशन शक्ति बीट अधिकारी अपनी टीम के साथ जाकर महिलाओं, बेटियों व बालिकाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के तहत उन्हें उनके अधिकार व सम्मान को लेकर कैसे सशक्त बनाने एवं दिए गए हेल्प लाइन नंबरों में वीमेन पॉवर लाइन 1090, महिला हेल्प लाइन 181, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 1076, पुलिस आपात सेवा डायल 112 व साइबर हेल्प लाइन 1930 आदि पर जानकारी दी जा रही। पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में एवं पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर पुष्कर वर्मा के कुशल पर्यवेक्षण में मंगलवार को गंगानगर जोन के समस्त थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत भीड़ भाड़ वाले स्थान, शिक्षण संस्थानों, प्रमुख बाजारों में जाकर महिलाओं, बेटियों व बालिकाओं को जागरूक किया गया एवं दिए गए नंबरों की जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी बताया गया। जिसमें कन्या सुमंगला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित कई योजनाओं के बारे में बड़े विस्तार से जानकारियां दी जा रही है।

शंभूनाथ इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

मांडा। अभिराजी विहार इंटर कॉलेज में मंगलवार को शंभूनाथ इंजीनियरिंग कॉलेज, झलवा (प्रयागराज) के प्रोफेसर आशुतोष पांडेय ने छात्रों को तकनीकी शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया।

प्रोफेसर पांडेय ने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तकनीकी दक्षता विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आधुनिक प्रतिस्पर्धा में तकनीकी ज्ञान के बिना आगे बढ़ना कठिन है।

इस दौरान उन्होंने शंभूनाथ इंस्टीट्यूट में संचालित विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सों जैसे बीटेक, एमटेक, फामेर्सी, एमबीए, बीसीए, जीएनएम, एएनएम और बीए-एलएलबी की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में प्रिया मौर्य, सुमित मौर्या, अंकिता मौर्य, आन्शी मौर्य, गीतांजलि मौर्य और आशीष कुमार सहित कई मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों को छात्रों के लिए नई दिशा और प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर दीनानाथ कुशवाहा, मनोज कुमार कुशवाहा, अशोक कुमार कुशवाहा सहित विद्यालय का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

शुचिता और पारदर्शिता से ही मजबूत होगा लोकतंत्र : ब्रजेश पाठक

- उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने यमुनापार जिले में रक्र अभियान की समीक्षा
- मतदाता पुनरीक्षण में बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यमुनापार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत आयोजित समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी सही मतदाता का नाम सूची से छूटे नहीं और किसी भी फर्जी या गैर-पात्र व्यक्ति का नाम सूची में बने नहीं रहना चाहिए। इसके लिए बूथ स्तर पर कार्यकताओं को पूरी गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ जुटना होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, मतदाता सूची का व्यापक और पारदर्शी पुनरीक्षण ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है। यह अभियान केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। प्रत्येक बूथ पर जिम्मेदारी के साथ कार्य कर सुनिश्चित करें कि अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों।आगे उन्होंने कहा कि एक-एक मतदाता की पहचान कर संविधान की भावना के अनुरूप मतदाता जोड़ने का कार्य करें। बिहार के रक्र अभियान में विपक्ष द्वारा जो 65 लाख फर्जी, मृतक और नाबालिग मतदाता जोड़े गए थे, वह उजागर हुआ। भाजपा कार्यकताओं ने वहाँ पारदर्शिता से काम किया, परिणाम यह हुआ कि आरजेडी के जंगलराज को जनता ने किनारे कर दिया। यही डर सपा-कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव को लेकर दिखाई दे रहा है। शुचिता और पारदर्शिता से चुनाव हुआ तो परिणाम उत्तर प्रदेश में भी स्पष्ट दिखाई देंगे।

उन्होंने घुसपैठियों के मुद्दे पर कहा कि ह्वविपक्ष द्वारा जो फर्जी नाम जोड़े गए हैं, उन्हें चिन्हित कर हटाया जाए और पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाएं। रक्र अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने का बड़ा माध्यम है। भाजपा का कार्यकर्ता बड़े से बड़ा दायित्व निभा सकता है-यह केवल भाजपा में ही संभव है। बूथ स्तर पर पारदर्शिता और निष्ठा के साथ कार्य कर लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।पाठक ने कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा, सही पात्र नागरिक का नाम छूटे नहीं और घुसपैठिए का नाम जुड़ न पाए—इस पर प्रत्येक कार्यकर्ता सतर्क रहे। भाजपा में पीछे बैठा कार्यकर्ता भी जिलाध्यक्ष बन सकता है, यही पार्टी की असली ताकत है।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ल ने की। उन्होंने कहा कि हर मंडल और शक्ति केंद्र पर टीमें सक्रिय कर अभियान को गति दी जाएगी और सभी संबंधित पदाधिकारी सतत समीक्षा करते रहेंगे।इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, जिला प्रभारी अमरनाथ यादव, विधायक दीपक पटेल, विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, जिला सह-प्रवासी कविता पटेल, सुशील मिश्रा, जिला महामंत्री पुष्पराज सिंह पटेल, जिला संयोजक वीरेंद्र शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी, जिला मंत्री राजेश धनगर, योगेश शुक्ला, इंदु प्रकाश मिश्रा सहित अन्य गणमान्यजन, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर लाखों का सामान चोरी, शिक्षकों की कुर्सी तक नहीं छोड़ी

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनौटी गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार की रात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। मंगलवार सुबह जब शिक्षक विद्यालय पहुंचे, तो दरवाजे का ताला टूटा देख दंग रह गए। अंदर जाने पर पता चला कि चोरों ने स्कूल का सारा सामान समेट लिया है।

शिक्षिका मुक्ता दूबे ने जानकारी देते हुए बताया कि चोरों ने लगभग दो दर्जन कुर्सियां, सिलेंडर, बैटरी, बच्चों के खेलने का कैरम बोर्ड और बर्तन समेत कोई भी सामान नहीं छोड़ा। चोरी के बाद शिक्षकों के बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं बची। प्रधानाचार्य नूरजहाँ खातून ने इस संबंध में पुलिस से लिखित शिकायत की है। बताया गया कि यह विद्यालय में चोरी की पहली घटना नहीं है, बल्कि साल भर पहले भी इसी विद्यालय में चोरी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करछना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोनिया गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

अखंड भारत संदेश

करछना। श्रीमती इंदिरा गांधी विद्यालय जगौती में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी का कांग्रेस के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष रंगराज सिंह के अध्यक्षता में जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रंगराज सिंह ने कहा कि हम कांग्रेस जनों को श्रीमती सोनिया गांधी जी के उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी यमुनापार प्रयागराज के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अरूण तिवारी ने कहा कि सोनिया गांधी त्याग, सद्भावना, प्रेम तथा अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति हैं जब देश लोकतांत्रिक खतरें में था तब उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉक्टर दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी भारत की एकता और अखंडता की प्रतिमूर्ति हैं और आज भी पार्टी और देश के लिए कार्यकताओं में ऊर्जा भरकर पूरे संकल्प के साथ आगे बढ़ रही हैं। सोनिया जी ने अपने जीवन काल में बहुत उतार चढ़ाव देखे देश के ही कुछ चुनिंदा लोगों ने अभद्र टिप्पणीयां की पर सोनिया जी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। सोनिया जी देश हित और पार्टी हित में एक मील की पत्थर की तरह डटीं रहीं। कार्यक्रम को संचालित करते हुए नागेश पाण्डेय ने कहा कि सोनिया गांधी जी ने प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद ठोकर मारकर देश हित के लिए आगे बढ़ी और राष्ट्र हित के लिए पार्टी जनों को आगे बढ़ाया। कांग्रेस के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष शिव विजय सिंह ने श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्मदिन पर बधाई देते हुए सबका धन्यवाद किया।आज के कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देने वालों में राम छबीले मिश्र, डॉ शीतला प्रसाद पाण्डेय, सुरेश कुमार पटेल मंत्री जी,विनय कृष्ण पाण्डेय एडवोकेट, प्रकाश चन्द्र पाण्डेय एडवोकेट, त्रिपुरारी कांत मिश्र, रविराज सिंह एडवोकेट, आशीष कुमार मिश्र एडवोकेट, नारायण दुबे,हिंदुस्तान अली, विद्याधर मिश्र एडवोकेट, रमेशचंद्र तिवारी एडवोकेट, श्याम बाबू पूर्व प्रधान, लालचंद यादव एडवोकेट, सरोज मिश्रा, गुलाब कली, गुड़िया देवी, सुषमा, सुरेश शुक्ला, रसीद हैदर, पवनेश सोनी, रजनीश गौड़, संजय सिंह, अमरनाथ यादव, अयोध्या प्रसाद द्विवेदी, इंद्रसेन सिंह, राजकुमार पटेल दरोगा, रोशन लाल पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

नाली विवाद से थाने में मवेशियों की बारात, पुलिस रह गई हैरान

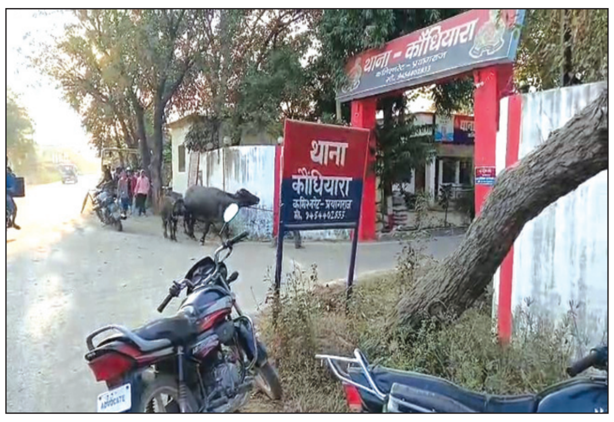

प्रयागराज। जमुनापार क्षेत्र कौंधियारा थाना के खपटिया गांव का एक मामूली नाली विवाद ऐसा तूल पकड़ेगा कि पूरा थाना तमाशाघर बन जाएगा,किसी ने सोचा भी नहीं था। पड़ोसी पंकज कुमार और रामसूरत के बीच नाली और रास्ते को लेकर बहस हुई, और मामला धीरे-धीरे इतना बढ़ा कि पुलिस नोटिस तक जारी हो गया। नोटिस में आरोपी बनाए गए थे। रामसूरत पुत्र स्व. मुखलाल, उनकी पत्नी संगीता, और बेटी पूजा।

नोटिस मिलते ही रामसूरत का मूड अचानक विरोध मोड में चला गया। लेकिन विरोध भी सामान्य नहींङ्घ ऐसा कि पूरा थाना दंग रह जाए! शाम करीब 4:15 बजे पूरे ह्लपरिवार व पशुधन दस्ताह्व के साथ थाने पर धावा बोल दिया। रामसूरत ने प्रवेश किया—एक भैंस, एक गाय, दो पड़िया, तीन बेटियाँ और एक बेटा लेकर।

थाने में अचानक भैंस को देखकर कुछ पुलिसकर्मी कुर्सियाँ पीछे घसीटते हुए खड़े हो गए। रामसूरत ने आते ही ऐलान किया—ह्लजब हम सब पर गलत तरीके से मुकदमा किया है, तो अब जानवरों समेत यहीं थाने में रहेंगे। सुरक्षा की जिम्मेदारी भी पुलिस की है! थाना परिसर में ऐसी घोषणा पहली बार सुनने को मिली। आधे घंटे तक जोरदार हंगामा चलता रहा। यह नजारा देखने के लिए बाहर लोग इकट्ठे हो गए—किसी ने मोबाइल निकाल लिया, कोई हँसते-हँसते पेट पकड़ने लगा।

थाना प्रभारी को गुस्सा भी आया और हँसी भी। उन्होंने झुंझलाहट में कहा—ह्लअब बस यही बाकी था कि थाने में चारा-पानी भी हम ही डलवाएँ!ह्व और रामसूरत को आदेश दिया कि जानवरों को बाहर ले जाए।

रामसूरत भी कहाँ मानने वाले थे। थाने से बाहर निकलते ही जानवरों को खंभे से बांधकर चारा-पानी देना शुरू कर दिया। राहगीर यह अनोखा नजारा देखकर मजाक करने लगे—ह्लये थाने में आया है या डेयरी खोलने?

इस बीच मामला बिगड़ता देखकर हल्का दरोगा रामसूरत को फिर से अंदर बुलाता है और विवादित जगह चलने की बात करता है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचती है और नाली व रास्ते का निरीक्षण करती है। असल में शिकायत पंकज कुमार की तरफ से की गई थी। गांव में यह पूरा घटनाक्रम अब चर्चा का विषय है। लोग कह रहे हैं—ह्लनाली का झगड़ा था, लेकिन थाने में जो शो हुआ, वह किसी टीवी कॉमेडी से कम नहीं!

जनकवि कैलाश का रचना धर्म, लोक सरोकारों के प्रति प्रेरणा का स्त्रोत : अशोक

करछना। जनकवि कैलाश गौतम का जीवट व्यक्तित्व, अनूठा कृतित्व, सहज स्वभाव, विभिन्न रचना विमर्शों के साथ बोली-बानी का गहबर लोकरंग, सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित उनके समग्र रचना लोक और जनमन में बसा है। सड़क से लेकर संसद तक या फिर गांव, गली, चौबारे, सामाजिक संबंधों के तार-तार या फिर लोक संस्कृति और सामाजिक परंपरा के विविध रंगों से भरपूर उनकी रचनाओं में सर्व समाज का उद्गार आलोकित हुआ। लोक सरोकार और नवचेतना के प्रति समर्पित उनकी सोच, चिंतन और लेखनधर्म वर्तमान समय में नये कवियों और रचनाकारों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। यह बातें आकाशवाणी और दूरदर्शन से जुड़े लोक भाषा के चर्चित कवि अशोक सिंह बेशरम ने अपने काव्य गुरू जन कवि कैलाश गौतम की स्मृतियों को ताजा करते हुए उनके पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को लोकमंगल संस्थान रामपुर में कही। उन्होंने कहा कि डेढ़ दशक तक मुझे भी आकाशवाणी इलाहाबाद में उनके सानिध्य में बहुत कुछ सीखने,गढ़ने और समझने को मिला ।अमौसा का मेला, पप्पू की दुलहिन, कुर्सी, कचहरी, रमचरना, झुनिया जैसी उनकी कालजई रचनाएं हों या फिर आकाशवाणी द्वारा प्रसारित घर का दर्पण,बड़की भौजी, और गांगू का हेंगा जैसे धारावाहिकों में पूरे समाज का आईना प्रतिबिंबित हुआ। पंचायत घर कार्यक्रम के गोबर्धन भैया की उनकी एक अमिट पहचान भी घर-गांव,सिवानों और किसानों के बीच विशिष्ट छवि के रूप में आलोकित हुई।जोड़ा ताल हो या फिर सिर पर आग जैसे रचना संग्रहो में आम आदमी के जीवन की व्यथा-कथा का यथार्थ भी जीवन्त हुआ। प्रयाग को कर्म भूमि बनाकर अपने विलक्षण कृतित्व से लगभग 3 दशकों तक कैलाश गौतम ने तत्कालीन लेखकों कवियों और लोक कलाकारों के बीच अपनी एक विशेष छवि बनाई जो लोकप्रियता की एक मिशाल है। राष्ट्रीय साहित्य फलक पर भी अपनी माटी, परिपाटी, लोक परम्परा, गंवई संस्कृति का ताना-बाना, लोकभाषा और बोली-बानी का सजीव एवं अद्भुत रंग उनके कवि कर्म के साथ सदैव नये लोगों के बीच उनकी सहज स्मृतियों के रूप में जीवन्त रहेगा और उनकी कालजई रचनाएं सदा सदा के लिए अमर रहेंगी।

काशी तमिल संगमम 4.0 की यात्रा का प्रयागराज में भव्य स्वागत एवं संगोष्ठी का आयोजन हुआ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में काशी तमिल संगमम 4.0 की यात्रा का होटल रविसा कांटिनेंटल में उत्साहपूर्वक और भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ, जिसमें शहर के कई सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरीवानी जी, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद सिंह जी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सोरांव आलोक पांडेय जी, अभाविप प्रयागराज विभाग प्रमुख प्रोफेसर विवेक निगम जी, सौरभ अग्रहरि, सौरभ वैश्य तथा अभाविप महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा सूरज उपस्थित रहे।

महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरीवानी जी ने कहा कि काशी तमिल संगमम यात्रा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसने भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय भिन्नताओं के नाम पर फैलाए गए भ्रमों को दूर किया है। यह कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक एकता को पुनः जगाने वाला है।उन्होंने प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर स्थापित तिरुवल्लुवर जी की भव्य प्रतिमा का उल्लेख करते हुए संगमम के अतिथियों को इसके दर्शन हेतु आमंत्रित भी किया।

सिटी मजिस्ट्रेट विनोद सिंह जी ने कहा कि काशी तमिल संगमम भारतीय संस्कृति की उस आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है जो उत्तर से दक्षिण तक हमें जोड़ती है। प्रयागराज प्रशासन के लिए यह गौरव का विषय है कि यह यात्रा यहाँ पहुंची और सांस्कृतिक आदानझ्रप्रदान का सुअवसर प्रदान किया। अभाविप प्रयागराज विभाग प्रमुख प्रो. विवेक निगम जी ने कहा कि काशी और तमिल संस्कृति के बीच प्राचीन काल से ही आध्यात्मिक और विद्यानिष्ठ संबंध रहे हैं। यह संगमम युवा पीढ़ी को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि अभाविप सदैव ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।अभाविप प्रयाग महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा सूरज जी ने कहा कि काशी तमिल संगमम हमारे राष्ट्रीय मूल्यों एकता, समरसता और सांस्कृतिक गौरव का जीवंत उदाहरण है। दक्षिण और उत्तर भारत के लोगों का यह मिलनभाव भारतीय संस्कृति की अद्भुत व्यापकता को दशार्ता है। युवा पीढ़ी इस यात्रा से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम में आए अतिथियों ने केन्द्र सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह यात्रा समृद्ध भारतीय संस्कृति को जोड़ने और समझाने का अद्वितीय प्रयास है।यह यात्रा प्रयागराज से काशी हेतु प्रस्थान करेगी।

रिश्वतखोर बाबू को पकड़ने पहुंची एंटी करप्शन टीम पर हमला

एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों को PDA कर्मचारियों ने पीटा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों पर हमला हुआ है। टीम ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के एक बाबू को 8 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा।अधिकारी आरोपी बाबू को अपने साथ ले जाने लगे। तभी बाबू ने हंगामा कर दिया और शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आरोपी के कई साथी कर्मचारी भी वहां पहुंच गए। रिश्वतखोर बाबू को छुड़ाने के लिए हाथापाई करने लगे।टीम ने विरोध किया तो कर्मचारियों ने उनकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। हालांकि कर्मचारियों के विरोध के बावजूद टीम आरोपी बाबू को पकड़ ले गई। अब पुलिस प्रयागराज विकास प्राधिकरण में लगे सीसीटीवी को चेक करके टीम पर हमला करने वालों की पहचान करने में जुटी है।बता दे की शांतिपुरम के प्राणेश पांडेय के नाम 5 साल पहले प्रयागराज विकास प्राधिकरण से लॉटरी के जरिए जमीन का आवंटन हुआ था। लॉकडाउन में नौकरी चली गई। इसलिए रजिस्ट्री के लिए रुपए जुटाने में दिक्कत हुई। अलॉटमेंट के बाद दो महीने तक लेखाधिकारी और बाबू ने फाइल लटकाए रखी। बाद में इस जमीन की रजिस्ट्री के लिए वह प्रयागराज विकास प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे।यहां उनकी मुलाकात कनिष्ठ सहायक अजय कुमार से हुई। प्राणेश पांडेय ने बताया कि कनिष्ठ सहायक अजय कुमार ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की। परेशान होकर मैंने अखबार में छपे नंबर से एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई।शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन यूनिट ने पहले शुरूआती जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपी बाबू को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनी। इसी के तहत ट्रैप टीम को तैनात किया गया। मंगलवार की दोपहर प्राणेश पांडेय रिश्वत की रकम देने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण पहुंचे।

यहां कनिष्ट सहायक अजय कुमार से अपने काम की बात की। अजय कुमार ने रिश्वत की रकम मांगी। शिकायतकर्ता ने उसे पहले आठ हजार रुपए ही देने को कहा। बाकी रकम काम के बाद देने की बात कही। बाबू ने हामी भरी और आठ हजार रुपए ले लिए। इसी दौरान आसपास मौजूद एंटी करप्शन टीम ने आरोपी को मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया।

बाबू को ले जाने के दौरान कर्मचारियों ने घेर कर पीटा

कनिष्ट सहायक अजय कुमार को एंटी करप्शन टीम जब जाने लगी तो वहां के दूसरे कर्मचारियों को इसकी जानकारी हो गई। उन्होंने टीम को घेर लिया। रिश्वतखोर बाबू को छुड़ाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम से मारपीट भी की गई। फिर भी एंटी करप्शन टीम आरोपी को पकड़ कर सिविल लाइंस थाने ले गई।वहां टीम के अफसरों ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाने में उससे रिश्वत लेने की पूरी घटना से जुड़े तथ्यों को दर्ज किया जा रहा है। एंटी करप्शन प्रयागराज यूनिट के अफसरों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उसे आवश्यक धाराओं में जेल भेजने की तैयारी चल रही है।

हमलावरों की पहचान के लिए खंगाले जा रहे सीसीटीवी

सिविल लाइंस थाने की फोर्स इंदिरा भवन स्थित प्रयागराज विकास प्राधिकरण में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि साफ हो सके कि एंटी करप्शन टीम पर हमला करने वालों में कौन-कौन था।

छिवकी में एसआईआर को लेकर करछना विधायक ने किया निरीक्षण

नैनी। नैनी क्षेत्र के छिवकी में करछना विधायक पीयूष रंजन निषाद ने मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय में पहुंचकर एसआईआर फॉर्म भराने की प्रगति का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने उपस्थित बीएलओ से जानकारी ली कि अब तक कितने फार्म जमा हो चुके हैं और कितने शेष हैं। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि घर-घर संपर्क कर शेष फॉर्म जल्द से जल्द भरवाए जाएँ ताकि समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। विधायक पीयूष रंजन निषाद ने अपने कार्यकताओं के साथ समीक्षा बैठक भी की जिसमें उन्होंने संगठन स्तर पर टीमों को सक्रिय करते हुए हर बूथ पर मतदाता सत्यापन अभियान को गति देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करती है और प्रत्येक मतदाता का नाम सही तरीके से शामिल होना बेहद आवश्यक है।इसी क्रम में पार्टी कार्यकताओं की टीम ने बूथ पर पहुंचकर लोगों को एसआईआर फॉर्म वितरण किए और उन्हें सही तरीके से भरकर जल्द जमा करने के लिए जागरूक किया। स्थानीय नागरिकों में भी इस अभियान को लेकर उत्साह और सहयोग देखा गया। अभियान के दौरान मंडल उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव, बूथ अध्यक्ष भारत भूषण तिवारी, विजय शंकर, ओम श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, पार्षद आलोक भारतीय सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवाबगंज पुलिस ने आदमपुर घटना का किया खुलासा, गंभीर धाराओं में केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नवाबगंज पुलिस ने जमीनी विवाद से जुड़े मारपीट के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में वांछित 9 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में की गई।यह घटना 8 दिसंबर 2025 को ग्राम झोखरी आदमपुर में हुई थी। यहां जमीनी विवाद को लेकर एक परिवार के दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया था।आरोप है कि अभियुक्तों ने मुकदमा वादी के भाइयों के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से मारपीट की। इस हमले में वादी पक्ष के लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना की तहरीर के आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा संख्या 538/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 दिसंबर 2025 को ग्राम आदमपुर झोखरी के पास से सभी 9 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में बीरेन्द्र कुमार शुक्ल, सच्चिदानंद शुक्ल, अशोक कुमार शुक्ल, अनमोल शुक्ला, आदित्य शुक्ला, यज्ञ नारायण शुक्ला, प्रेमशंकर शुक्ला, शिवशंकर शुक्ला और रामकुमार शुक्ला शामिल हैं। ये सभी ग्राम झोखरी आदमपुर, थाना नवाबगंज के निवासी हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इनमें से कई अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, बलवा, रंगदारी, जानलेवा हमला और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रिश्वत लेने की आरोपी महिला कॉन्स्टेबल की जमानत मंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने की आरोपी महिला कॉन्स्टेबल की जमानत मंजूर कर ली। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने अर्चना राय की जमानत अर्जी पर दिया है। कॉन्स्टेबल पर दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी का नाम विवेचना से हटाने के लिए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े जाने का आरोप है।

वाराणसी में कोतवाली थाना प्रभारी के पद पर तैनात इंस्पेक्टर सुमित्रा देवी और कॉन्स्टेबल अर्चना राय को 17 अक्तूबर को एंटी करप्शन की टीम ने भदोही के शिकायतकर्ता मेराज से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि दोनों ने दहेज उत्पीड़न के मामले से विवेचना के दौरान नाम हटाने के लिए रुपए की मांग की थी।

शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने दोनों को पकड़कर भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया। जेल में बंद आरोपी कॉन्स्टेबल अर्चना राय ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी। याची के अधिवक्ता ने कहा कि रिश्वत मांगने का आरोप मुख्य रूप से निरीक्षक सुमित्रा देवी पर है, अर्चना राय ने केवल अधीनस्थ होने के नाते वरिष्ठ के निदेर्शों का पालन किया। वकील ने कहा कि याची पर लगाए गए आरोप झूठे हैं और उसे सह अभियुक्त बनाकर जेल भेजा गया है।

मझुआ में ट्रैक्टर-अर्टिगा की भिड़ंत, चार घायल

अखंड भारत संदेश

करछना। करछना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और अर्टिगा कार की जबरदस्त भिड़ंत ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। अंधेरा, संकरी सड़क और तेज रफ्तार का मिश्रण इतना घातक साबित हुआ कि चार लोग घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर बड़ी मुश्किल से घायलों को बाहर निकाला।

मंगलवार की शाम करीब 6:30 बजे बेंदौंझपनासा मार्ग स्थित मझुआ गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली और अर्टिगा कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के परखच्चे दूर-दूर तक बिखर गए और आसपास मौजूद लोग घबराकर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद करछना थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

अर्टिगा कार चला रहे मनीष तिवारी पुत्र विद्याकांत तिवारी निवासी घटवा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिर, हाथ और पैर में गहरी चोटें आईं और उनकी स्थिति चिंताजनक

बनी हुई है। कार में उनके साथ सफर कर रही विद्या शुक्ला को हल्की चोटें आईं और प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दूसरी ओर, ट्रैक्टर चालक ब्रिज बिहारी यादव पुत्र छोटे लाल यादव निवासी अमिलावा थाना सिरसा के एक हाथ में गंभीर चोट आई है। वहीं ट्रैक्टर पर मौजूद राकेश कुमार पुत्र कल्याण निवासी छतवा का पैर बुरी तरह जख्मी हुआ है और फ्रैक्चर की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। सड़क पर अंधेरा और मोड़ होने के कारण दोनों चालक एक-दूसरे को देख नहीं सके और आमने-सामने की टक्कर हो गई। एक्सीडेंट के बाद घायल वाहन के भीतर फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद एम्बुलेंस और पुलिस वाहन से सभी को सीएचसी करछना भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज झरोखा

पं हनुमंतदत्त त्रिपाठी इंटरमीडिएट कॉलेज में कबड्डी खेल प्रतियोगिता हुई आयोजित

थरवई। क्रीड़ा भारती कांशी प्रान्त प्रयागराज के तत्वाधान में मंगलवार को बालक - बालिका कबड्डी खेल प्रतियोगिता हनुमंत दत्त त्रिपाठी इंटरमीडिएत कॉलेज इस्माइलगंज में आयोजित हुई। इस खेल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में रहे प्रधानाचार्य वेद प्रकाश मिश्र एवं विशिष्ठ अतिथि क्रीड़ा भारती कांशी प्रान्त प्रयागराज के कबड्डी संयोजक समिति प्रयागराज राम प्रसाद ने प्रतियोगिता को शुरूआत कराया। इस कबड्डी खेल प्रतियोगिता में कई विद्यालयों ने प्रतिभाग किया और लगभग तीन वर्गों में अंडर -19 अंडर 14 अंडर 17 के लगभग 15 टीमें ने प्रतिभाग किया और विजेता टीम को मेडल देकर सम्मानित किया गया और बेस्ट ऑफ खिलाड़ी को और बेस्ट ऑफ रेडर बेस्टबीऔर ऑफ कैचर खिलाड़ियों को मेडल देखकर सम्मानित किया गया और बेस्ट ऑफ खिलाड़ी सुमित कुमार को क्रीड़ा भारती की तरफ से बैग और मेडल देखकर सम्मानित किया गया। इस कबड्डी खेल आयोजन समिति प्रयागराज राम प्रसाद और क्रीड़ा भारती सदस्य डॉ विष्णु देव सिंह इस प्रतियोगिता को संपन्न कराया गया कबड्डी ऑफिशल जितेंद्र कुमार, सुमित कुमार, समस्त स्कूल स्टाफ आदि मौजूद रहे।

शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन की तैयारी को लेकर संघ की हुई बैठक

सहसों। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित हिंदू सम्मेलन की तैयारी को लेकर मंगलवार को सहसों में भाजपा गंगापार जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला संघचालक बद्री प्रसाद सिंह ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष पर 14 दिसंबर को सहसों रामलीला मैदान के परिसर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के सह संगठन सचिव संजय हर्ष होंगे। जिसकी तैयारी को लेकर चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिसमें खंड कार्यवाह शैलेंद्र सिंह ने हिंदू समाज के लोगों से आग्रह किया है कि उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। बैठक में प्रमुख रूप से शिव कैलाश यादव, संजय सिंह, मनोज तिवारी, बलवंत सिंह, अनुराग सिंह, राजेंद्र केसरवानी, पुष्कर पटेल, राजेंद्र पटेल, मूलचंद पाल, पार्षद सियाराम मौर्य, राजनाथ मौर्य, श्रीमती लता विश्वकर्मा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

किसान पंचायत में उठीं क्षेत्रीय समस्याएँ, अधिकारियों को सौंपा मांगपत्र

करछना। करछना तहसील में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मासिक पंचायत आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के किसानों ने अपनी प्रमुख समस्याओं और मांगों को मजबूती से उठाया। पंचायत में ब्लॉक स्तर और तहसील स्तर के किसान पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में किसानों ने नहरों की नियमित सफाई न होने और समय पर पानी न छोड़े जाने से रबी फसलों की सिंचाई प्रभावित होने की शिकायत रखी। साथ ही ग्राम सभाओं में बने सरकारी ट्यूबवेलों की जर्जर नालियों के रखरखाव और आवश्यक मरम्मत की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। पंचायत में पनासा पानी पाइपलाइन के नवीनीकरण, डीएपी और यूरिया खाद के समय से वितरण तथा विक्रेताओं द्वारा जबरन जिंक और सल्फर थोपने पर रोक लगाने की जरूरत पर जोर दिया गया। किसानों ने धान क्रय केंद्रों पर होने वाली अनियमितताओं को भी गंभीर मुद्दा बताया। गौशालाओं में सुविधाओं की कमी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई गई। सभी समस्याओं को संकलित करते हुए किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन को मांगपत्र सौंपा और त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा की।

मेजा के युवाओं किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाना ही सर्वोच्च प्राथमिकता : इंद्रदेव शुक्ला

मेजा क्षेत्र के लोगों के हितों और विकास की सोच को लेकर आगे आए जनसेवक राजू शुक्ला

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा विधानसभा के लिए डीजीएस परिवार का जो सपना वर्षों से सजा हुआ है, वह आज धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है। बिना किसी संवैधानिक पद के भी दिव्यांग, असहाय, विधवा, मजदूर, किसान, महिला और नौजवान सबके साथ खड़े रहना अपने आप में गर्व की बात है। डीजीएस परिवार का संकल्प है मेजा को सशक्त, सक्षम और मजबूत बनाना। जब हम अपने से पहले दूसरों के लिए जीते हैं, तभी सपने हकीकत बनते हैं। जनसेवक भाजपा नेता इंद्रदेव शुक्ला राजू भैया का मंत्र है कर्म तपस्या चले निरंतर, हर आंगन में फूल खिले, तरुणाई का स्वप्न महान, हो मेजा का पुनः उत्थान। इसी सोच को लेकर वे दिन-रात मेजा के विकास में जुटे क्षेत्र के चर्चित जनसेवक इंद्रदेव शुक्ला राजू भईया का मानना है कि हर वर्ष की भांति 2026 में भी 51 कन्याओं के कन्यादान का भव्य आयोजन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 20 वर्षों से निरंतर हो रहा जय माँ शीतला कृपा महोत्सव इस वर्ष भी दिव्य और विशाल स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों से आग्रह किया है कि आगामी 26 जनवरी को सुबह 7 बजे डीजीएस गेस्ट हाउस में उपस्थित होकर कलश यात्रा में शामिल होकर इस धार्मिक जनजागरण में सहभागी बनने की अपील किया है क्योंकि संसार में धर्म से बड़ा कोई आधार नहीं और भक्ति से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा आइए एक सपना एक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें। हर युवा, हर किसान, हर महिला को मजबूत बनाना ही हमारा और डीजीएस परिवार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भागवत कथा समाज को धर्म संस्कार और चरित्र निर्माण की दिशा देने वाला है महायज्ञ : बृजेश पाठक

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में संचालित श्रीमद भागवत कथा में यूपी के डिप्टी सीएम ने किया शिरकत, राघवाचार्य महाराज जी का लिया आशीर्वाद

दुर्गावती स्कूल प्रांगड़ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने एसआईआर अधिकारियों के साथ की बैठक,एसआईआर को गति देने का दिए दिशा निर्देश, उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ हुए सम्मानित

अखंड भारत संदेश

मेजा। यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मेजा के दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में संचालित भागवत कथा में शिरकत किए और सर्व प्रथम एसआईआर प्रहरियों के साथ बैठक किए तत्पश्चात आयोजित श्रीमद् भागवत कथा स्थल पहुंच जगद्गुरु राघवाचार्य महाराज जी का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया।

उल्लेखनीय है कि मेजा क्षेत्र के गोसौरा कला स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज परिसर में दोपहर हेलीकाप्टर से पहुंचने के बाद उन्होंने सर्व प्रथम अधिकारियों और एसआईआर प्रहरियों के साथ बैठक की और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो सुपरवाइजर और दो बीएलओ को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया सुचिता, पारदर्शिता, सत्य और पात्रता सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार का सशक्त प्रयास है। इसमें अच्छे मतदाता जुटेंगे और घुसपैठिया छटेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र व्यक्तियों को लाभ समय से मिले और प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। डिप्टी सीएम श्री पाठक ने एसआईआर कार्य की गति बढ़ाने पर जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला की टीम को बधाई

दुर्गावती स्कूल में आयोजित भागवत कथा में शिरकत कर श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

दिया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग एसआईआर प्रक्रिया को रोकना चाहते हैं और जनता में भ्रम फैला रहे हैं। विपक्ष नहीं चाहता कि सत्यापन पारदर्शिता से पूरा हो, क्योंकि पारदर्शी व्यवस्था उनके लिए असहज है। उन्होंने आगे कहा कि यह एसआईआर केवल कागजी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आधुनिक और डिजिटल सत्यापन प्रणाली है, जिसे रोकना अब किसी के बस में नहीं है। गौरतलब है कि एसआईआर अधिकारियों की बैठक के बाद डिप्टी सीएम ने दुर्गावती स्कूल प्रांगड़ में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा स्थल मंच पर पहुंचे और जगद्गुरु राघवाचार्य महाराज का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। बता दें कि यूपी के डिप्टी सीएम के मंच पर पहुंचते ही कथा स्थल पर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह उमड़ पड़ा। उप मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही आम लोगों और श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ जुटी रही। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी।

कथा मंच स्थल से श्रद्धालु भक्तों का आभार जताते हुए उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि भागवत कथा हमें सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव, सनातन संस्कृति और आस्था की शक्ति को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था के लिए निरंतर काम कर रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि माघ मेला की भव्य तैयारियां की जा रही हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए कार्य किए जा रहे हैं। श्रीमद भागवत कथा के मुख्य आयोजक एवं भाजपा नेता सुशील मिश्रा और स्कूल की प्रबंधक श्रीमती डा स्वतंत्र मिश्रा ने यूपी के उप मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आपका आगमन हमारे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। आपके दिशा निर्देश से एसआईआर कार्य को नई गति मिलेगी और पात्र व्यक्ति लाभान्वित होंगे। उन्होंने सभी अतिथियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, दीपक पटेल, नाथू गुप्ता, डा अमरेश तिवारी, शैलेश पांडेय, हिमांशु शुक्ला, राजेश धनगर, विपिन केशरी, राणा सेठ, गुड्डू सेठ ,लीलावती गुप्ता और नेहा केशरी तथा योगेश शुक्ला आदि के अलावा कई अन्य गणमान्य लोग तथा भारी तादात में श्रद्धालु भक्तगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अराजकतत्वों ने तीन अलग-अलग जगहों पर आगजनी की घटना को दिया अंजाम

डीजे, बाइक और टैटू की दुकान में आग से लाखों का हुआ नुकसान

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कस्बे में सोमवार की देर रात अराजक तत्वों ने तीन अलग-अलग स्थानों पर आगजनी की घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैला दी। घटना में एक डीजे, एक बाइक और एक टैटू की दुकान जलकर राख हो गई। पीड़ितों ने अज्ञात युवकों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पट्टी कोतवाली के कुम्हिया वार्ड नंबर 7 निवासी श्यामलाल गुप्ता पुत्र हीरालाल गुप्ता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि सोमवार की देर रात उनके घर के सामने खड़े डीजे में अज्ञात अराजक तत्वों ने आग लगा दी। आग इतनी भीषण थी कि पूरा डीजे जलकर राख में तब्दील हो गया। पीड़ित को इस घटना में भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।दूसरी घटना में संदीप बंसल पुत्र गंगाराम, निवासी गोनैया मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी, जो पट्टी मेले में टैटू बनाने का कार्य करता है बताया कि बीती रात उसका टैटू बनाने की सामग्री से भरा बैग अज्ञात युवक लेकर फरार हो गया। इसके बाद अराजक तत्वों ने उसकी दुकान में आग लगा दी। जिससे दुकान में रखा सामान जलकर खाक हो गया। तीसरी घटना में मुराद पुत्र इकबाल निवासी कर्मा, थाना करछना, जनपद प्रयागराज, जो कस्बा पट्टी में मीट की दुकान संचालित करता है बताया कि वह रोज की तरह रात में घर के सामने अपनी प्लैटिना बाइक खड़ी कर सोने चला गया था। सुबह जब उठा तो उसकी बाइक जलकर पूरी तरह राख में तब्दील हो चुकी थी।तीनों पीड़ितों ने अज्ञात युवकों के खिलाफ कोतवाली पट्टी में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है और अराजक तत्वों की तलाश की जा रही है।

ग्राम पंचायतों में 12 से 29 दिसम्बर तक किसान पाठशाला का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में रबी वर्ष 2025-26 में 12 से 29 दिसम्बर 2025 तक जनपद में दो दिवसीय किसान पाठशाला (किसानों की बात-किसानों के साथ) का आयोजन 17 विकास खण्डों के 444 ग्राम पंचायतों में आयोजित किया गया है। किसान पाठशाला का आयोजन अपरान्ह 2 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक ग्राम पंचायत के पंचायत भवनध्प्राथमिक पाठशालाध्कृषि कल्याण केन्द्र में किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत प्रतिदिन किसान पाठशाला का आयोजन जनपद के 84 ग्राम पंचायतों में किया गया है जिसमें लगभग 8000 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागी कृषकों को प्रथम दिवस में रबी दलहन, तिलहन की नवीन प्रजातियां एवं उत्पादन तकनीकी के प्रभावी बिन्दु, प्राकृति खेती एवं हरी खाद का महत्व, रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण एवं कृषि रक्षा, कृषि में ड्रोन का प्रयोग एवं फार्मर रजिस्ट्री का महत्व एवं उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। द्वितीय दिवस में कृषि प्रसार में तकनीकी कौशल का महत्व, कृषि उत्पादन में एफ0पी0ओ0 की भूमिका एवं रणनीति, महत्वपूर्ण विभागीय योजनायें, जायद, मक्का, मूंग, उर्द एवं बाजरा उत्पादन की जानकारी दी जायेगी।

पैमाइश के बाद जमीन पर लगे पत्थर को क्षतिग्रस्त करने का आरोप, दी तहरीर

प्रतापगढ़। जमीन की पैमाइश के बाद लगाए गए पत्थर को क्षतिग्रस्त करने व जबरन जमीन पर खेती कार्य से मना करने के आरोप को लेकर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे नेवल राजमतीपुर गांव निवासी लालता प्रसाद पाण्डेय पुत्र रामअवध ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि विवादित जमीन पर कोर्ट द्वारा उसके पक्ष में आदेश देने के बाद जमीन की पैमाइश करके राजस्वकर्मियों द्वारा पत्थर लगवा दिया गया। आरोप है कि विपक्षी द्वारा जबरन पत्थर उखाड़ दिया गया और उक्त जमीन पर खेती करने नहीं दे रहे हैं। आरोपीगण जानलेवा धमकी भी दे रहे हैं। एसओ राजेन्द्र त्रिपाठी का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति के तहत छात्र छात्राओं को किया गया जागरूक

प्रतापगढ़। महिला सुरक्षा एवं बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को कोतवाली पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कोतवाल आलोक कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति टीम द्वारा कटरा बलीपुर स्थित कान्वेंट स्कूल में छात्र छात्राओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूल के बच्चों को गुड टच बैड टच के बार में विस्तार से जानकारी दी गयी। वहीं विमेन पॉवर हेल्प लाईन 1090, चाइल्ड हेल्प लाईन 1098, महिला हेल्प लाईन 181 आदि महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में भी जागरूक किया गया। कोतवाल ने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता से बच्चों में सतर्कता एवं आत्मविश्वास को मजबूती मिल सकेगी।

रंजिश में मारपीट का केस दर्ज

लालगंज। रंजिश को लेकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे चैहान पूरे भगवत गांव निवासी विकास गौड़ पुत्र राकेश गौड़ ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सात दिसंबर की शाम करीब छः बजे वह अपने खेत की ओर जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच रंजिश को लेकर गांव के अजय पुत्र फूलचंद्र ने गाली देते हुए उसे मारापीटा व जानलेवा धमकी दी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पंडित मुनीश्वर दत्त का शिक्षा के क्षेत्र में रहा महत्वपूर्ण योगदान

अखंड भारत संदेश

पट्टी। नगर के रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व विधायक तथा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के अध्यक्ष रहे पंडित राम राज शुक्ला की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई।

मुख्य अतिथि रामपुर खास की विधायक मोना मिश्रा ने कहा कि पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय व पंडित रामराज शुक्ल ने जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय की स्थापना करके शिक्षा कि जो अलख जगाई है उसकी रोशनी से आज तमाम छात्र बाहर निकलकर उच्च पदों पर आसीन हैं। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्र ने किया। अध्यक्षता पंडित श्याम किशोर शुक्ल ने की। संचालन पूर्व प्राचार्य श्याम शंकर शुक्ला ने किया। आभार विद्यालय के अध्यक्ष धर्मेंद्र देव शुक्ला ने जताया। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज के अध्यक्ष प्रशांत देव शुक्ल, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल, जीआईसी प्रतापगढ़ के प्रधानाचार्य कुलश्रेष्ठ तिवारी, श्याम शंकर मिश्रा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, राम यज्ञ उर्फ गाना मिश्रा, दिनेश बहादुर सिंह उर्फ बुदुल, भगवती प्रसाद तिवारी, राम लवट यादव, विधि देव शुक्ल, ओमप्रकाश त्रिपाठी पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष, राम शिरोमणि वर्मा, कमल मणि त्रिपाठी, अखिलेश पाण्डेय प्राचार्य, श्याम शंकर मिश्रा प्रबंधक, रमाशंकर मिश्रा, रमेश चंद्र मिश्र प्रधानाचार्य, दिनेश तिवारी,सुनीता पटेल पूर्व प्रत्याशी पट्टी विधानसभा, अध्यापक राजेश दुबे, सतीश पाण्डेय,राकेश मिश्र, विनोद मिश्र, आदि लोग मौजूद रहे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की पिटाई, बच्चे संग घर से निकाला

पट्टी। रामकोला गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को बेरहमी से मार-पीट कर उसके मासूम बेटे के साथ घर से भगा दिया। पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रामकोला गांव निवासी ज्योति पत्नी मोनू गौतम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद से पति सहित ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसे लगातार प्रताड़ित करने लगे। आए दिन ताने देने के साथ अतिरिक्त दहेज की मांग की जाती रही। पीड़िता का कहना है कि उसका तीन वर्षीय बेटा भी इस उत्पीड़न का गवाह बना।मंगलवार की सुबह दहेज की मांग को लेकर हुए विवाद के बाद ससुरालियों ने ज्योति के साथ बेरहमी से मार-पीट की और फिर उसे उसके बेटे के साथ घर से निकाल दिया। किसी तरह जान बचाकर पीड़िता कोतवाली पहुंची और पूरे मामले से पुलिस को अवगत कराया।पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रवृत्ति हेतु 20 दिसम्बर तक करें आनलाइन आवेदन

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्कप्रतिपूर्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) अन्य कक्षाओं हेतु छात्रों के लिये आनलाइन आवेदन समय सारिणी जारी की गयी है। दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्कप्रतिपूर्ति कक्षाओं हेतु छात्रध्छात्राओं के स्तर से आवेदन किये जाने की तिथि 20 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित है। इच्छुक छात्रों द्वारा छात्रवृत्ति वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है।

एन आई एक्ट में मामले में अभियुक्त के विरुद्ध जारी हुआ गैर जमानतीय वारंट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सिविल जज जूनियर डिवीजन कक्ष संख्या 31 की कोर्ट ने एनआई एक्ट के मामले की सुनवाई करते हुए नगर कोतवाली के सिविल लाइंन करनपुर निवासी विक्रम नागर के विरुद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि आगामी 2 जनवरी को नियत तिथि की पेशी पर अभियुक्त व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहेगा। उक्त मामले की पैरवी अधिवक्ता शिवेश कुमार शुक्ल ने की है।

नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के एसपी कार्यालय के समीप रहने वाले मनीष ओझा ने करनपुर निवासी विक्रम नागर के खिलाफ एनआई एक्ट का वाद न्यायालय में प्रस्तुत किया है।परिवादी मनीष के अनुसार विपक्षी विक्रम नागर उनसे शादी में खर्च के लिए रूपया लिया था। बाद में परिवादी द्वारा रूपया मांगने पर विपक्षी द्वारा रूपया न अदा कर पाने पर परिवादी को चेक दिया जिसे उन्होंने अपने बैंक खाते में लगाया तो चेक बाउंस हो गया।परिवादी ने इसकी जानकारी विपक्षी को दिया किन्तु विपक्षी विक्रम नागर द्वारा रुपया अदा न करने पर न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अभियुक्त विक्रम नागर के विरुद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी करते हुए कोर्ट की नियत तिथि पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने का भी आदेश दिया है।

कोचिंग जा रहे छात्र से बदमाशों ने छीना मोबाइल

पट्टी। क्षेत्र में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोचिंग पढ़ने जा रहे एक छात्र से बाइक सवार बदमाशों ने रास्ते में उसका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के उमरडीहा गांव निवासी कन्हैया लाल शर्मा ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका पुत्र शुभम शर्मा रोज की तरह पट्टी कोतवाली कस्बे में स्थित कोचिंग सेंटर में पढ़ने जा रहा था। जब वह कुंदनपुर गांव के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने अचानक झपट्टा मारकर उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और तेज रफ्तार से मौके से फरार हो गए।घटना के बाद छात्र घबरा गया और किसी तरह एक परिचित के फोन से अपने पिता को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और बाद में थाने जाकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

15 दिसम्बर तक सोलर पम्प के लिए करें आनलाइन बुकिंग

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने जनपद के समस्त कृषकों को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पी0एम0 कुसुम) योजनान्तर्गत सोलर पम्प की बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल दिनांक 15 दिसम्बर तक खुला रहेगा। इस हेतु कृषक का पंजीकरण विभागीय वेबसाइट पर होना अनिवार्य है, जिसके अनुदान पर सोलर पम्प हेतु बुकिंग करें, लिंक पर क्लिक करके आनलाइन बुकिंग की जा सकती है। आनलाइन बुकिंग के साथ रुपए 5000 टोकन मनी के रूप में आनलाइन जमा करना होगा। पोर्टल पर जनपदवार 02 एचपी एवं 03 एचपी काल क्ष्य सम्मिलित रूप से प्रदर्शित होगा। कृषक अपनी आवश्यकतानुसार सोलर पम्प का चयन कर आगे बढ़ सकते है। 2 एचपी हेतु 4 इंच, 3 एवं 5 एचपी हेतु 6 इंच तथा 7.5 एवं 10 एचपी हेतु 8 इंच की बोरिंग होना अनिवार्य है। लक्ष्य से अधिक बुकिंग के उपरान्त कृषकों का चयन ई-लाटरी के माध्यम किया जायेगा। किसान भाई 15 दिसम्बर तक सोलर पम्प की बुकिंग कर सिंचाई हेतु सोलर पम्प का लाभ प्राप्त करें। उन्होने बताया है कि 2 एचपी एसी सरफेस पम्प प्रति इकाई की लागत रुपए 164322 है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 98593, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 60729 रुपए, 2 एचपी डीसी सरफेस पम्प प्रति इकाई की लागत रुपए 164322 है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 98593, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 60729 रुपए, 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत रुपए 167025 जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 100215, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 61810 तथा 2 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत रुपए 166578 जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 99947, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 61631 रुपए निर्धारित है। 3 एचपी डीसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत 222701 रुपए है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 133621, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 84080 रुपए एवं 3 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत 220523 रुपए है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 132314, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 83209 रुपए निर्धारित है। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत 313397 रुपए है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 188038, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 120359 रुपए निर्धारित है। 7.5 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत 424972 रुपए है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 254983, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 164989 रुपए निर्धारित है। इसी प्रकार 10 एचपी एसी सबमर्सिबल सोलर पम्प प्रति इकाई लागत 533610 रुपए है जिसमें राज्यांश एवं केन्द्रांश अनुदान 254983, टोकन मनी 5000 एवं कृषक अंश 273627 रुपए निर्धारित है।

गोवंशकी तस्करी करने वाले दो तस्कर गिरफ्तार, 6 जिंदा बम बरामद, बिहार ले जाकर बेचते थे मवेशी

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र में गोवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इलाके में घूम-घूमकर गोवंश की तस्करी करने वाले दो शातिर तस्करों को पुलिस ने छह जिंदा देसी बम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अब उनके दो अन्य फरार साथियों की तलाश में दबिश दे रही है।

थाना अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को थाने के उप निरीक्षक शिवम त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि नगर छतौना मार्ग पर कुछ युवक गोवंश की तस्करी की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर ग्राम नगर के पास से मोहम्मद रिजवान पुत्र मोहम्मद रमजान और आकाश मिश्रा पुत्र लालमनी मिश्रा, निवासीगण नगर, थाना आसपुर देवसरा, जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया।तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 06 जिंदा देसी बम बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इलाके में घूम रहे मवेशियों को पकड़ते थे और उन्हें बिहार ले जाकर बेचते थे। यदि कहीं विरोध या रोक-टोक होती थी तो लोगों को डराने के

लिए बम का इस्तेमाल करते थे। इसी कारण वे हमेशा अपने पास असलहा और बम रखते थे।थाना अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर उनके दो अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद मंगलवार शाम को जेल भेज दिया गया।

सामूहिक सुन्दरकाण्ड व संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

लालगंज। पौराणिक शिवालय बाबा घुइसरनाथ धाम में मंगलवार को सामूहिक सुन्दरकाण्ड व संकीर्तन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धालुओं ने बाबा घुइसरनाथ से लोक मंगल की कामना की। कस्बा लालगंज निवासी सुधीर कुमार मिश्र के संयोजन में आयोजित संगीतमयी सुन्दरकाण्ड सामूहिक पाठ में शामिल श्रद्धालु भगवान श्रीराम व हनुमान जी की भक्ति में रमे दिखे। सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ के समापन के बाद आचार्य कैलाशनाथ मिश्र की अगुवाई में वैदिक मंत्रोचार के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम व पवन पुत्र हनुमान जी की आरती उतारी। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर राकेशचंद्र तिवारी, मृत्युंजय सिंह, सुशील पाण्डेय, आदर्श कुमार, दिनेश सिंह, रामप्रकाश मिश्र आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

गेहूँ में अधिक पैदावार के लिये अपनायें सही सिंचाई समय : जिला कृषि अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने जनपद के सभी किसान भाइयों को सूचित किया कि वर्तमान रबी सीजन में गेहूं की फसल की उन्नत पैदावार एवं गुणवत्ता के लिए वैज्ञानिक सिंचाई प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। उचित समय एवं उचित विधि से सिंचाई करके न केवल पानी का संरक्षण किया जा सकता है, बल्कि उत्पादन लागत कम करते हुए उपज में 10-15 प्रतिशत वृद्धि भी की जा सकती है। उन्होने बताया है कि यदि केवल 2 सिंचाई उपलब्ध हो तो जल संसाधन सीमित होने पर गेहूॅ में दो अत्यन्त महत्वपूर्ण अवस्थाओं पर सिंचाई अवश्य करें, पहली सिंचाई (कलाई अवस्था/ ताजमूल अवस्था) बुआई के लगभग 20-25 दिन बाद, दूसरी सिंचाई (बालियॉ निकलने की अवस्था) बुवाई के लगभग 65-70 दिन बाद इन दोनो अवस्थाओं पर सिंचाई देने से फसल की बुनियादी वृद्धि एव दाने भरने की क्षमता सुरक्षित रहती है।उन्होने बताया है कि यदि 3 सिंचाई उपलब्ध हो तो पहली सिंचाई (कलाई अवस्था/ ताजमूल अवस्था) 20-25 दिन बाद, दूसरी सिंचाई (गाँठ बनने की अवस्था) लगभग 45-50 दिन बाद, तीसरी सिंचाई (बालियाँ निकलने/ फूल आने की अवस्था) 65-70 दिन बाद यह क्रम फसल की बढ़वार तथा दाने के विकास दोनों को अधिकतम समर्थन देता है। उन्होने बताया है कि यदि 4 सिंचाई उपलब्ध हों तो पहली सिंचाई (कलाई अवस्था/ ताजमूल अवस्था) 20-25 दिन बाद, दूसरी सिंचाई (गाँठ बनने की अवस्था) 45-50 दिन बाद, तीसरी सिंचाई (बालियाँ निकलने/ फूल आने की अवस्था) 65-70 दिन बाद तथा चैथी सिंचाई (दुग्धावस्था) 85-90 दिन बाद, इस क्रम से सिंचाई करने पर दानों का वजन बढ़ता है और उपज में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। यदि सिंचाई के निर्धारित समय से पहले या बाद में लगभग 15-20 मिमी या अधिक वर्षा हो जाए, तो उस चरण की सिंचाई टाल दें या कम कर दें।उन्होने कृषक भाइयों से अपील करते हुये कहा है कि गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई (पहला पानी) अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, केवल एक सिंचाई उपलब्ध होने पर उसे कलाई अवस्था/ ताजमूल अवस्था अर्थात बुवाई के 20-25 दिन बाद अवश्य दें। इस अवस्था पर सिंचाई करने से पौधों में जड़ों का विकास अच्छा होता है, जिससे फसल की वृद्धि तथा अंतिम उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। गेहूं फसल की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई हल्की करें और आवश्यकता से अधिक पानी बिल्कुल न दें, सिंचाई क्षमता के अनुसार उपरोक्त सिफारिशों पर अमल करें।

पुलिस ने दर्ज कराया मारपीट का मुकदमा

प्रतापगढ़। रास्ते के विवाद को लेकर पुलिस ने दोनों पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना के उप निरीक्षक घनश्याम यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती आठ दिसंबर को दोपहर करीब तीन बजे सांई धाम रामपुर कसिहा में पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही महेश वर्मा पुत्र लालजी वर्मा व अवधेश वर्मा पुत्र रामेश्वर वर्मा विवाद करने लगे। आरोप है कि इसी बीच महेश वर्मा पक्ष के रोहित उर्फ कल्लू, रमेश तथा दूसरे पक्ष के दिलीप, संजय तथा कुछ अज्ञात लोग सड़क पर एकत्रित होकर एक दूसरे का रास्ता अवरूद्ध करने लगे। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षो मे मारपीट भी हुई। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि उप निरीक्षक की तहरीर पर दोनों पक्षों के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उ. प्रा. विद्यालय एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र अर्का फतेहपुर का डीएम ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उच्च प्राथमिक विद्यालय अर्का फतेहपुर एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र अर्का फतेहपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विद्यालय एवं परिसर की साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए जिला पंचायतराज अधिकारी को साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में पठन-पाठ्न की स्थिति ठीक प्रकार से न पाये जाने पर प्रधानाचार्य को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मानक के अनुरूप मध्यान्ह भोजन प्रदान करने के निर्देश दिए।

डी.पी.आर.ओ. ने सफाई कर्मी को कारण बताओ नोटिस जारी कर प्राथमिकता पर प्रतिदिन विद्यालय की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

कौशांबी। जिलाधिकारी के निर्देश पर तत्काल जिला पंचायतराज अधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने इस विद्यालय का निरीक्षण किया। जिला पंचायतराज अधिकारी ने ग्राम में तैनात सफाई कर्मी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर प्रतिदिन विद्यालय की साफ-सफाई करना सुनिश्चित करें, भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति पाई जाती है, तो उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बी.एस.ए. ने प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि देकर शिक्षण कार्य में रुचि लेते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के दिए निर्देश

कौशांबी। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने शिक्षण कार्य में रूचि न लेने पर प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि देने के साथ ही अन्य अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर शिक्षण कार्य में रुचि लेते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए।

डीपीओ ने निजी घर में संचालित ऑगनबाड़ी केन्द्र को विद्यालय में कराया शिफ्ट

कौशांबी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने ऑगनबाड़ी केन्द्र अर्का फतेहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने निजी घर में चल रहें ऑगनबाड़ी केन्द्र को विद्यालय में शिफ्ट कराया तथा ऑगनबाड़ी कार्यकत्री को नियमानुसार पुष्टाहार का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पं0 दीन दयाल किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत ग्राम-अर्का फतेहपुर में कराये गए कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज भूमि संरक्षण विभाग द्वारा पं0 दीन दयाल किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत ग्राम-अर्का फतेहपुर में कराये गए कार्यों-अवरोध बॉध, पेरिफेरल बॉध एवं मार्जिनल बॉध का निरीक्षण कर जायजा लिया।जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान भूमि संरक्षण अधिकारी से परियोजना चयन का आधार व किसानों को लाभ आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि परियोजना में पक्का कार्य का निष्पादन गुणवत्तापूर्ण कराया जाय तथा पं0 दीन दयाल किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत संचालित परियोजनाओं की प्रगति उपलब्ध कराई जाय। उन्हांने पं0 दीन दयाल किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत कराये जा रहें कार्यों की प्रगति की जानकारी भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा ठीक प्रकार से अवगत न कराये जाने पर, उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित किसानों से कराये गए कार्यों से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि इन कार्यों से खेती के कार्य में लाभ हुआ है।

बालिका ने लगाई ट्रेन के आगे छलांग हुई दर्दनाक मौत

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत मूरतगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के अशरफपुर गांव के सामने मंगलवार की सुबह एक बालिका ने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई शौंच करने गए ग्रामीणों ने देखा तो स्थानीय पुलिस को सूचना दिया स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार सोनम उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्री जयराम निवासी पट्टी परवेजा बाद बड़े गांव मंगलवार की सुबह किसी बात लेकर नाराज होकर असरापुर गांव के सामने ट्रेन के सामने छलांग लगा दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई शौंच करने गए ग्रामीणों ने देखा तो स्थानीय पुलिस को सूचना दिया सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चोरी छिनैती करने वाली 06 महिलाएं गिरफ्तार

कब्जे से चोरी के 05 अदद पीली/सफेद धातु के लाकेट, मोबाइल व रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र में 08 दिसम्बर को अभिमन्यु विश्वकर्मा पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी ग्राम अर्का फतेहपुर थाना करारी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी दादी व मेरी मौसेरी बहन गांव के बाहर लगे मेला को देखने गयी थी। रास्ते में 03-04 अज्ञात महिलाओं द्वारा सुनसान जगह होने पर मेरी बहन को दो तीन थप्पड़ मार कर उसके गले से सोने की लॉकेट छीन लिया गया और भाग गयीं थाना करारी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत हुआ उक्त के क्रम में थाना करारी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 06 अभियुक्त उषा देवी पत्नी राजकुमार निवासिनी बैसकाटी थाना करारी मायका गुलामीपुर थाना करारी ससुराल वा अनीता देवी पत्नी अनिल वा विमला देवी पत्नी शिवा वा राजकुमारी उर्फ ननकी देवी पत्नी स्व0 राजकुमार वा ननकी पत्नी रमेश समस्त निवासी गण बैसकाटी थाना करारी वा मंजू पत्नी राजेन्द्र कुमार निवासिनी फैजीपुर थाना पश्चिम शरीरा को गिरफ्तार किया गया अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 5 अदद लाकेट/माला, जिसमें मालाओं में गुथे हुए 4 अदद पीली धातु के लाकेट व एक अदद सफेद धातु का लाकेट, 1500 रुपये एवं 01 अदद एन्ड्राइड मोबाइल बदामद किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तागण को न्यायालय भेजा है पूछताछ करने पर अभियुक्त गणों द्वारा बताया कि हम लोग आस पास में लगे मेलों व भीड़भाड़ वाले अपने जनपद व दूसरे जनपद के स्थानों की जानकारी कर लूट व छिनैती की घटना करने जाते है । महिला होने के कारण कोई हम लोगो पर जल्दी शक नहीं करता है । राजकुमारी उर्फ ननकी ने बताया कि साहब हम लोगों का यह एक गिरोह है, हम लोग एक साथ ही घटना को अंजाम देने जाते है तथा हम लोग अपने गिरोह के मुखिया विमला देवी पत्नी शिवा को मानते है । वहीं हम लोगों को जहां जहां कहती है हम लोग साथ साथ जाते है और लूट, छिनैती व पाकेटमारी की घटना करते है। हम लोगों द्वारा लाकेट,मोबाइल व रुपए अलग अलग मेलों से चोरी किए गए थे।

पत्रकार की ताई का हुआ निधन

गंगा नदी किनारे सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में हुआ अंतिम संस्कार

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव के रहने वाले पत्रकार गणेश साहू की बड़ी अम्मा ताई जी उम्र लगभग 80 वर्ष का बीमारी के चलते इलाज के दौरान सोमवार की रात्रि 9:30 बजे निधन हो गया है उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 12 बजे गंगा नदी के किनारे गौसपुर उजीहनी गंगा घाट पर सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में विधि विधान से अंतिम संस्कार हुआ इस मौके पर अश्वपूर्ण नेत्रों से लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी और 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की कामना ईश्वर से की है पत्रकार की ताई के निधन की जानकारी जैसे ही जनपद मुख्यालय सहित तमाम पत्रकारों को लगी पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है और 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की कामना ईश्वर से की है उपस्थिति लोगों ने कहा कि परिवार को यह दुख सहने की शक्ति ईश्वर दें शोक संवेदना व्यक्त करते हुए लोगों ने कहा की आपकी यादें हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत 120 वाहन चालकों के नेत्र की जांच की गई

वाहन चलाते समय सावधानी बरतने से दुर्घटना में आएगी कमी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत मंगलवार को परिवहन विभाग की ओर से सिराथू तहसील क्षेत्र के सैनी बस अड्डा परिसर में नेत्र जांच शिविर लगाया गया। एआरटीओ की अगुवाई में जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक किया गया साथ ही 120 ड्राइवरों के नेत्र का परीक्षण कर उचित सलाह दी गई।सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित जागरूकता शिविर में एआरटीओ तारकेश्वर मल्य ने कहा कि सड़क दुर्घटना के खतरे को कम किया जा सकता है चालक परिचालकों से यातायात नियमों की अनुपालना करने और ओवर स्पीड से वाहन न चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद समय पर प्राथमिक उपचार मिलने से लगभग 58 प्रतिशत मौत हो रही है। यातायात के नियमों के पालन से इसको भी कम किया जा सकता है। कहा कि जिला प्रशासन समेत विभिन्न विभाग आपसी तालमेल से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कोई भी नागरिक आरटीओ विभाग, रोड़वेज विभाग, पुलिस विभाग, तहसील, पंचायत विभाग व अटल सेवा केंद्रों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी शिकायत या सुझाव दे सकता है। नेत्र शिविर में सुनील कुमार साहू, महेश प्रसाद, सुरेंद्र सोनकर, अहमद अली, ताराचंद, रामलाल, विनोद कुमार, जितेंद्र कुमार, इरशाद, अशफाक, हेमराज, विजय पांडेय, आशीष केसरवानी, आदि के आंखों की जांच की गई।

न्यूज झरोखा

पीआरडी जवान और उसके पुत्र झोलाछाप पशु डॉक्टर से परेशान इलाके के व्यापारी

कौशांबी। पीआरडी जवान और उसके झोलाछाप पशु डॉक्टर पुत्र से इलाके के व्यापारी परेशान है लोगों से सामान लेने के बाद उनका बकाया मांगने पर उनसे लड़ाई झगड़ा पर पीआरडी का जवान और उसका पुत्र झोलाछाप पशु डॉक्टर उतारु रहता है पिपरी थाना क्षेत्र के औंधन निवासी सचिन केसरवानी पुत्र रामबाबू केसरवानी पशुओं की दवा बनाने वाले न्यूट्रीवेट कंपनी में एमआर का काम करता है 9 महीने पहले सचिन से सराय अकिल थाना क्षेत्र के जुगराजपुर गांव निवासी शोभित उपाध्याय पुत्र राजेंद्र उपाध्याय व पीआरडी जवान राजेंद्र उपाध्याय ने पशुओं की दवाई ली जिसका 4200 रुपए बकाया पेमेंट उन्होंने कहा था कि दूसरे दिन दे देंगे लेकिन धीरे-धीरे 9 महीने बीत गए और दवा का बकाया भुगतान नहीं किया जानबूझकर पिता पुत्र धोखाधड़ी साजिश फ्रॉड और बेईमानी कर रहे है सचिन का कहना है कि उनकी नियत पहले से खराब थी जब दवाई का बकाया पैसे की मांग की जाती है तो पिता पुत्र दोनों गाली गलौज और झगड़ा पर आमदा हो जाते हैं पिपरी थाना पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए सचिन ने कहा कि शोभित उपाध्याय पशुओं का इलाज करता है जबकि इसके पास पशुओं के इलाज की किसी प्रकार की डिग्री नहीं है और इसका पिता राजेंद्र उपाध्याय पीआरडी जवान है बिना डिग्री अनुभव के पशुओं का इलाज करने वाले शोभित उपाध्याय के कारनामों को संज्ञान लेकर इन पर गलत तरीके से पशुओं का इलाज करने का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग की गई है शिकायती पत्र देते हुए सचिन ने बताया कि बेईमानी धोखाधड़ी फ्रॉड करना इन पिता पुत्र की आदत में शुमार है और इलाके के सैकड़ो लोगों के साथ इन्होंने धोखाधड़ी फ्रॉड बेईमानी की है धोखाधड़ी फ्रॉड और जानबूझकर बेईमानी करने वाले पिता पुत्र के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर बकाया रकम वापस दिलाए जाने की मांग सचिन ने पुलिस से की है।

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग किए जाने पर लगाया गया पांच हजार रुपए का अर्थदण्ड

एवं एक माह के लिए किया गया निलम्बित

कौशांबी। मेडिकल कॉलेज में छात्रों द्वारा रैगिंग किए जाने की घटना सामने आई है प्रथम वर्ष 2025 के छात्रो की रैगिंग से सम्बन्धित दिनांक 30.11.2025 को एन्टी रैगिंग सेल, नई दिल्ली से प्राप्त शिकायत को संज्ञान मे लेते हुए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कौशाम्बी में गठित एन्टी रैगिंग कमेटी के सदस्यों द्वारा की गई जांच में द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग किए जाने की पुष्टि हुई। प्रकरण की गंम्भीरता एवं एन्टी रैगिंग कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सा महाविद्यालय में अनुशासन बनाएं रखने एवं इस प्रकार की घटना की पुनार्वृत्ति न हो, के दृष्टिगत द्वितीय वर्ष के छात्रो को रू0-5000 के अर्थदण्ड के साथ एक माह के लिए निलम्बित किया गया।यह जानकारी प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. हरिओम ने दी। रैगिंग में शामिल व्यक्तियों को दी जाने वाली सजा अनुकरणीय और उचित रूप से कठोर होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। रैगिंग की प्रत्येक घटना के संबंध में संस्थागत प्राधिकारियों द्वारा स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों के समक्ष बिना किसी अपवाद के प्रथम सूचना रिपोर्ट एफआईआर दर्ज कराई जानी चाहिए लेकिन मुकदमा नहीं दर्ज कराया गया है जब कोई वरिष्ठ व्यक्ति अपने कनिष्ठ को अस्वीकार्य व्यक्तिगत प्रश्नों के उत्तर देने, नाचने, गाने आदि के लिए मजबूर करके मानसिक उत्पीड़न या असुविधा पहुँचाता है, तो उसे रैगिंग कहा जाता है।

यू डाइस पोर्टल की बैठक में अनुपस्थित 64 विद्यालयों पर लटकी कार्यवाही की तलवार

कौशांबी। शैक्षिक सत्र 2025 26 में यू डाइस पोर्टल पर स्कूल प्रोफाइल टीचर प्रोफाइल वा स्टूडेंट माड्यूल अपार मॉड्यूल में फीडिंग कार्य गतिमान है उक्त संबंध में यू डाइस पल्स पोर्टल के समस्त कार्यों को पूर्ण करने हेतु 9 दिसंबर 2025 को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय मंझनपुर के नेतृत्व में बीआरसी मंझनपुर में बैठक आयोजित की गई जिसमें फीडिंग कार्यों से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई और उपस्थित शिक्षकों को उचित दिशा निर्देश दिए गए इस बैठक में 64 विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रबंधक उपस्थित नहीं हुए हैं जो बेहद चिंता का विषय है खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि उक्त संबंध में पुनः 10 दिसंबर 2025 को बैठक आयोजित की गई है उन्होंने संबंधित संपूर्ण विद्यालयों को निर्देशित किया है कि 10 दिसंबर को 1:00 बजे दिन में बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो और 9 दिसंबर की बैठक में उपस्थित ना होने का कारण स्पष्ट तरीके से प्रारूप पर भरकर जमा करें उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस कार्य में लापरवाही करने वाले समस्त विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान से शटर खोलकर स्मार्टफोन हुआ चोरी

हरराय पुर कौशांबी। पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनौरी रोड निवासी सुमन पाठक ने थाना प्रभारी पूरा मुक्ति को सूचना देते हुए बताया कि मंगलवार की सुबह जब मैने दुकान का शटर खोला और मेरे पति अपनी मोटरसाइकिल निकाल कर ऑफिस चले गए उसके पश्चात दुकान का शटर गिरा कर घर के अंदर चली गई थोड़ी देर बाद वापस आई तो देखा कि शटर थोड़ा सा खुला हुआ है और मोबाइल काउंटर्स में रखे सारे स्मार्टफोन चोरी हो गए हैं दुकान के अंदर से मोबाइल चोरी होने के बाद महिला परेशान हो गई है आसपास में घटना की जानकारी महिला ने की है उसके बाद मामले की सूचना उन्होंने थाना पुलिस को दी है थाना पुलिस मोबाइल चोर की खोज कर रही है

दो क्षेत्राधिकारी के कार्य क्षेत्र में हुआ परिवर्तन

कौशांबी। जिले के दो क्षेत्राधिकारी के कार्य क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक ने परिवर्तन किया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सिराथू सीओ सतेंद्र तिवारी को सिराथू सर्किल से हटा कर यातायात सीओ बनाया गया है और सीओ संतोष कुमार सिंह को यातायात से हटा कर सिराथू सीओ बनाया गया।

वारण्टी अभियुक्त को चरवा पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा एनसीआर नं0 69/12 धारा 323/504/506 भादवि से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त गिरधारी पुत्र गुलजार निवासी ग्राम डीहवा पर मजरे फरीदपुर सुलेम थाना चरवा को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

वारण्टी अभियुक्त को सराय अकिल पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 378/ 24 धारा 191(2)/ 352/ 351(2)/ 324(4)/ 303(1) बीएनएस से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त चन्द्रशेखर तिवारी पुत्र रामखेलावन तिवारी निवासी ग्राम बरई थाना सराय अकिल को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

श्रद्धालुओं को मिलेगा बेहतर अनुभव

कड़ा धाम के कुबरी घाट पर 2.41 करोड़ रुपए की लागत से आरती स्थल की परियोजना लगभग पूर्ण

कौशांबी बनेगा धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र, कुबरी घाट आरती स्थल विकास श्रद्धालुओं को समर्पित-जयवीर सिंह

अखंड भारत संदेश

कौशांबी उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने कौशांबी जिले के सिराथू तहसील स्थित कड़ा धाम के कुबरी घाट को नई पहचान देते हुए आरती स्थल का विकास कार्य लगभग पूर्ण करा दिया है। करीब 02.41 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह परियोजना श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध करवाएगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इक्यावन शक्तिपीठों में से एक मां शीतला धाम मंदिर श्रद्धालुओं के प्रमुख आस्था का केंद्र है। यह विकास कार्य उसी श्रद्धा और सुविधा को समर्पित है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में कौशांबी जिला धार्मिक पर्यटन मानचित्र का जगमगाता सितारा है। भगवान बुद्ध की भूमि, हिन्दू आस्था का भी बड़ा केंद्र है। कुबरी घाट धार्मिक महत्व से जुड़ा स्थल है। आगंतुकों को धार्मिक क्रियाकलापों में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसलिए आरती स्थल के विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। सैंकड़ों वर्षों से शीतला धाम कड़ापीठ, शक्ति उपासकों का केंद्र रहा है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी सती के शरीर के टुकड़े जहां भी गिरे वहीं एक शक्तिपीठ स्थापित हुआ। कराकोटम जंगल में जिस स्थान पर सती का दाहिना कर गिरा, वही स्थान वर्तमान में कड़ा धाम के नाम से देश-दुनिया में विख्यात है पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कौशांबी का कड़ा धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में करीब 14.76 लाख से अधिक पर्यटक जनपद आए, जिनमें बड़ी संख्या मां शीतला के दर्शन करने वालों की थी। राज्य सरकार का प्रयास है कि धार्मिक स्थलों पर आने वाले लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में कुबरी घाट पर आरती स्थल विकसित कर श्रद्धालुओं को वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। आगे भी इस क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

त्याग और बलिदान की मूर्ति हैं सोनिया गांधी : गौरव पाण्डेय

कौशांबी। मंझनपुर स्थित वृद्धाश्रम में सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर बुजुर्गों को फल एवं मिठाई वितरित कर उनका जन्मदिन मनाया गया एवं उनके मंगलमय जीवन की कामना की गई ! इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि त्याग और बलिदान की मूर्ति सोनिया गांधी है सोनिया 2004 में प्रधानमंत्री पद की दावेदार थी लेकिन उन्होंने इस पद को ठुकराया व देशहित में उन्होंने एक महान अर्थशास्त्री एवं पूर्व वित्तमंत्री मनमोहन सिंह जैसे व्यक्ति को भारत देश का प्रधानमंत्री बनाया यह एक बड़ी पहल थी..पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी ने कहा कि 2007 में, सोनिया गांधी को फोर्ब्स पत्रिका द्वारा दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली महिला के रूप में नामित किया गया था और पत्रिका की विशेष सूची में उन्हें 6 ठा स्थान दिया गया था। इसके बाद मनोज सिंह पटेल ने कहा कि सोनिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप के कांग्रेस पार्टी को शिखर तक पहुंचाया उन्होंने अपने नेतृत्व काल में मनरेगा जैसे खाद्य सुरक्षा बिल जैसे महत्वपूर्ण चीजों में अपनी भूमिका निभाई ! तत्पश्चात रामसूरत रैदास ने बताया कि इस देश में सोनिया गांधी जैसी महिला होना अपने आप में सम्मान की बात है उन्होंने अपनी सास पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शहादत को देखा है। सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी ,जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह पटेल उदय यादव नैय्यर रिजवी,कौशलेश द्विवेदी रामसूरत रैदास,जिला महासचिव शशि त्रिपाठी,श्याम सिंह भदौरिया,सेवादल के अध्यक्ष जमशेद अहमद कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत,शशि मिश्रा,नगर अध्यक्ष शकील अब्बास, ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप पटेल, रावेंद्र यादव, रामप्रकाश पंडा, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर महासचिव नौशे आलम,व्यापार मंडल के अध्यक्ष कैलाश केसरवानी, नोखे लाल, मीजान अहमद, छोटे लाल,बिफाई लाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ना नियम ना कायदा गुंडई से लेंगे नगर पंचायत के कार्यों का ठेका

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नगर पंचायत अझुवा के सरकारी कार्यों में बलपूर्वक ठेका लेने का प्रयास करने का मामला सामने आया है जहां नगर पंचायत अझुवा में सरकारी कार्यों का ठेका न मिलने पर नगर पंचायत के चेयरमैन और उनके पति को जान से मारने की धमकी दी गई है ठेका लेने वालों की गुंडई खुलेआम देखने को मिली है अब यह गुंडे किसके संरक्षण में जिले में फल फूल रहे हैं यह बड़ी जांच का विषय है ताजा मामला नगर पंचायत अझुवा का है गुंडई से ठेका लेने वाले इन ठेकेदारों को योगी सरकार के नियम कायदे की परवाह नहीं है वह टेंडर प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहते बल्कि बलपूर्वक सरकारी कार्यों का ठेका लेना चाहते हैं और जब उनको मनमानी तरीके से नगर पंचायत में ठेका नहीं मिला तो वह अभद्रता पर उतर आए हैं ठेकेदार रूपी इन गुंडो के आतंक की हद तब हो गई है कि जब मंगलवार की सुबह 10:30 बजे चेयरमैन और उनके पति को जान से मारने की खुलेआम धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत अझुवा की चेयरमैन शांति देवी कुशवाहा और उनके पति भाजपा नेता ओमप्रकाश कुशवाहा को नगर पंचायत कार्यालय पहुंचने पर मंगलवार की सुबह 10:30 बजे बाहरी लोगों द्वारा गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी है मंगलवार की सुबह अपने पति के साथ चेयरमैन शांति देवी कुशवाहा जैसे ही नगर पंचायत अझुवा कार्यालय में पहुंची उस समय वहां पर एक व्यक्ति पहले से बैठा था चेयरमैन ने उससे उसका परिचय जानना चाहा तो उसने परिचय नहीं दिया उल्टा चेयरमैन से वह परिचय पूछने लगा जिस पर चेयरमैन ने उसे कार्यालय से बाहर जाने को कहा लेकिन वह कार्यालय से बाहर जाने के बजाए आग बबूला हो गया और चेयरमैन से अभद्रता करने लगा जिस पर चेयरमैन ने उसे कर्मचारियों की मौजूदगी में कार्यालय से बाहर कर दिया है चेयरमैन ने आशंका जताई है कि उपरोक्त व्यक्ति से उन्हें और उनके पति को जान माल का खतरा है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है कार्यालय पहुंचे व्यक्ति का नाम त्रिपुरारी तिवारी बताया जाता है।

सिंडिकेट के सदस्यों के आतंक से नगर पंचायत और नगर पालिका का विकास बाधित

पर्दे के पीछे का असली सिंडिकेट माफिया कौन जो नगर पंचायत और नगर पालिका के कार्यों में वसूल रहा है गुंडा टैक्स

लाल नीली बत्ती के संरक्षण में पलने वाले इन सिंडीकेट के गुंडो के ऊपर कार्यवाही करने का साहस अधिकारी भी नहीं कर पाते

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नगर पंचायत और नगर पालिका में सरकारी निर्माण कार्यों का मिलने वाला ठेका टेंडर में सिंडिकेट के सदस्यों का तेजी से दखल हुआ है सिंडिकेट के सदस्य ना कानून जानते हैं ना नियम जानते हैं केवल तमंचे के नोक पर गुंडई करके अराजकता फैला कर विकास कार्यों को बाधित कर रहे हैं शासन सत्ता के गलियारे तक पहुंच की बात करने वाले यह सिंडिकेट के सदस्य नगर पंचायत और नगर पालिका में विकास के लिए मिलने वाले सरकारी बजट में नियम कानून को दरकिनार कर बलपूर्वक ठेका टेंडर लेना चाहते हैं सरकारी बजट को यह अपनी जागीर समझते हैं इनका कहना है कि सरकार उनकी जेब में रहती है जिस नगर पंचायत और नगर पालिका में इस सिंडिकेट के सदस्यों को सरकारी निर्माण कार्यों का ठेका मिल गया तो मनमानी तरीके से घटिया निर्माण कराया गया है सिंडिकेट के सदस्यों के द्वारा कराए गए कार्यों में गुणवत्ता नहीं होती है लेकिन इनके कार्यों की जांच कौन कराएगा सरकार सत्ता उनकी जेब में रहती है अधिशासी अधिकारी और चेयरमैन पर दबाव डालकर सिंडिकेट के सदस्य कमीशन के नाम पर गुंडा टैक्स की वसूली करते हैं जिससे नगर पंचायत और नगर पालिका का जहां एक तरफ विकास कार्य बाधित हुआ है वहीं निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हुई है सिंडिकेट के सदस्यों के आतंक अत्याचार से योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े हैं लेकिन लाल नीली बत्ती के संरक्षण में पलने वाले इन सिंडीकेट के गुंडो के ऊपर कार्यवाही करने का साहस अधिकारी भी नहीं कर पाते हैं नेता भी इनके खिलाफ जुबान नहीं खोलते हैं और शासन सत्ता सरकार की धमकी देकर नगर पंचायत और नगर पालिका में सिंडीकेट गैंग के सदस्यों का बलपूर्वक आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है जिस नगर पंचायत और नगर पालिका में इनकी मनमानी पर इन्हें ठेका आपूर्ति मिल जाती है वहां तो सब कुछ ठीक है वरना यह लड़ाई झगड़ा पर आमादा होते हैं खुलेआम गाली गलौज करते हैं मारपीट भी करने पर उतारू होते हैं यहां तक कि हत्या करने की धमकी देते हैं सपा सरकार के सिंडिकेट की तर्ज पर इन दिनों भी सिंडिकेट गैंग के सदस्य पूरी तरह से सक्रिय दिखाई पड़ रहे हैं सिंडिकेट के सदस्यों के बढ़ते आतंक के चलते कभी भी नगर पंचायत में खूनी संघर्ष हो सकता है सवाल उठता है कि इन सिंडीकेट के सदस्यों को कौन संरक्षण दे रहा है पर्दे के पीछे का असली माफिया कौन है जो पर्दे के पीछे से नगर पंचायत के सरकारी बजट में हिस्सा वसूल रहा है यह बड़ी जांच का विषय है।

सम्पादकीय

अव्यवस्था का मोदी मॉडल

देश में चारों तरफ अफरा-तफरी और घबराहट, सड़कों पर उतरे परेशान नागरिक, अपने सवालों के जवाब मांगते लोग ऐसा माहौल अक्सर किसी आपातकालीन अवसर पर बनता है, लेकिन मोदी सरकार में ऐसे नजारे आम हो चुके हैं। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने आए तो गुजरात मॉडल का खूब प्रचार किया गया। मानो गुजरात भारत का हिस्सा नहीं, नरेन्द्र मोदी की सरपरस्ती में बना हुआ धरती का कोई स्वर्ग है। देश को वैसा ही स्वर्ग जैसा साफ, सुंदर, भ्रष्टाचार मुक्त, हर तरह से विकसित बनाने का दावा श्री मोदी ने किया था। मजे की बात ये है कि 2014 से लेकर 2025 बीतने को है और अब तक यही सपने देश को दिखाए जा रहे हैं। अभी शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नरेन्द्र मोदी ने पत्रकारों के सामने शब्दों का यही खिलवाड़ किया था, एक राष्ट्रनीति, मजबूत प्रशासन, डिलीवरी और न जाने क्या-क्या। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री किसी स्वप्नलोक में ही विचरण करते रहते हैं, जो उन्हें जमीनी हकीकत पता ही नहीं चलता। अन्यथा पिछले पांच दिनों से देश भर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था का जो आलम है, कम से कम उस पर खेद तो प्रकट कर ही सकते थे। लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने किसी बात पर अपनी गलती मान ली, तो फिर सूरज पश्चिम से निकलने लगेगा। मोदी के पहले कार्यकाल से लेकर तीसरे कार्यकाल तक बार-बार जनता ने मनमाने फैसलों से उपजी अव्यवस्था को ही भुगता है। पहले कार्यकाल में 2016 में नोटबंदी का फैसला हो या दूसरे कार्यकाल में 2020 में लगा लॉकडाउन जनता में घबराहट का माहौल बना और इस तीसरे कार्यकाल में यही अफरा-तफरी एसआईआर को लेकर बिहार में बनी, अब देश के बाकी 12 राज्यों में लोग ऐसे ही परेशान हो रहे हैं। वहीं ट्रेनों के साथ-साथ फ्लाइट्स ऑपरेशन की गड़बड़ियों ने लाखों लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। देश में सबसे ज्यादा चलने वाली इंडिगो की उड़ानें पिछले पांच दिनों से रद्द या देरी से चल रही हैं। इसकी वजह है नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का एक नया नियम। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन इस नियम में पायलट्स और क्रूमेंबर्स को पर्याप्त आराम देने जैसे प्रावधान हैं। लेकिन इस नियम को लागू करने से पहले पूरी तैयारी नहीं की गई, लिहाजा इंडिगो को कम से कम हजार फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी। इसके कारण भारी अव्यवस्था फैली और पानी सिर के ऊपर से निकला तो शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बैठक की और सारी व्यवस्थाएं ठीक करने का निर्देश दिया। इस बीच इंडिगो को नियमों में ढील दी गई ताकि वह उड़ान संचालन ठीक से बहाल करे। हालांकि इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब नियम पायलट्स की थकान और उनके काम के घंटे निर्धारित करने के लिए था, तो क्या इसमें ढील देना सही है। इधर लगातार पांच दिन से उड़ानों के रद्द होने से अन्य एयरलाइन कंपनियों ने अपने टिकट दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की तो उसमें भी शनिवार को जाकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय हरकत में आया और घोषणा की कि वह अपने नियामकीय अधिकारों का प्रयोग करते हुए सभी प्रभावित रूट्स पर किराया नियंत्रण लागू कर रहा है।

शुक्रवार को इंडिगो का मामला संसद में भी उठा। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'इंडिगो की विफलता इस सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत है।'

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

– ललित गर्ग –

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह ह्यसंबंधह्ण और ह्यसुविधा शुल्कह्ण काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर

घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं- ह्लदोषियों को बख्शा नहीं जाएगाह्व, ह्लउच्च स्तरीय जांच की जाएगीह्व, ह्लमुआवजा दिया जाएगाह्व, लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर ह्यनहींह्ण है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है।

हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा।

पद पर रहते हुए समाज की मदद करके हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना आज की जरूरत है : जय सिंह

डॉ भीमराव अंबेडकर परिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम धोबी धर्म संसद चौबेपुर में संपन्न

अखंड भारत संदेश

वाराणसी। धोबी धर्म संसद, संत गाडगे धर्मशाला, चौबेपुर, वाराणसी में आज संविधान निमार्ता, भारतरत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का परिनिर्माण दिवस युवाओं की नई सोच और जोश के साथ मनाया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झ जय सिंह, आईआईएस, भारत सरकार द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी व बाबा संत गाडगे के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित किए। जय सिंह जी को कमेटी के तरफ से अंग वस्त्र व बाबा साहब डॉक्टर

भीमराव अंबेडकर एवं तथागत बुद्ध जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया । अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि युवा ही समाज और देश के भविष्य हैं, जिन्हें आगे आना होगा, युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए, उन्होंने कहा कि शिक्षा ही दुनिया की सबसे बड़ी दौलत है। जिसे हर हाल में हासिल करने की कोशिश करो ` शिक्षा व्यक्ति के अधिकारों के प्रति जागृत करती है, वह प्रगति का मार्ग दिखाती है। रूढ़िवादी समाज ने इस समाज को शिक्षा से वंचित रखा, इसलिए यह समाज पिछड़ा और गुलाम हुआ। अगर आने वाली पीढ़ी शिक्षित बनकर संघर्ष करेगी, तो गुलामी की जंजीरों को तोड़कर शासक बन जाएगी। शिक्षा के वजह से ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्व में पूजे जाते हैं। और अपने देश को चलाने के लिए भारतीय संविधान लिखा जिससे आपके अधिकारों का मार्ग प्रशस्त हुआ। अंत में उन्होंने कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रह, संघर्ष करो और पद पर रहते हुए अपने समाज की हरसंभव मदद करो । कार्यक्रम की अध्यक्षता- संतलाल एवं संचालन- दयाराम (स०अ०)ने किया। तथा मुख्य अतिथि का स्वागत- सोनू कनौजिया एवं धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार (पोस्ट मास्टर) द्वारा किया गया।इस अवसर पर समाज के सैकड़ों युवा एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

मतदाता सूची संशोधन में प्रशासन की सख़्ती, हर योग्य नागरिक को मिले मतदान का अधिकार

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के तहसील मुहम्मदाबाद अंतर्गत स्वच्छ और निर्भ्रांत चुनावी व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता सत्यापन अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में स्थानीय बूथ संख्या 137 स्थित मिडिल स्कूल परिसर में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) डॉ. हर्षिता तिवारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई।बैठक में तहसीलदार महेंद्र बहादुर सहित नगर पालिका परिषद के कर्मचारी, सभासद, कोटेदार, लेखपाल तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर

मतदाता सत्यापन से संबंधित प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की और आगे की रणनीति तय की।

बैठक का मुख्य जोर अरऊ श्रेणी के मतदाताओं–दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक एवं अन्य विशेष वर्ग–के डेटा सत्यापन को शीघ्र पूर्ण करने पर रहा। ऐसे मतदाता जिनके दस्तावेज अधूरे थे, उनका सत्यापन ए.ई.आर.ओ. द्वारा डी.एल.ए. टीम की मौजूदगी में मौके पर ही कराते हुए विवरण को अपडेट किया गया। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदन की बारीकी से जाँच की, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

भण्डारित आलू की निकासी सुनिश्चित करें, शीतगृह स्वामियों को कड़े निर्देश

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर । जिला उद्यान अधिकारी गाजीपुर ने बताया कि उत्तर प्रदेश में संचालित निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के निकासी का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है, किन्तु जनपद कतिपय कुछ एक शीतगृहों में अभी भी भण्डारित आलू अवशेष है। वर्तमान में जनपद के निजी शीतगृहों में आलू भण्डारण की अवधि 15 फरवरी से 30 नवम्बर तक निर्धारित है जिससे कि किसानों को शीतगृहों से भण्डारित आलू की निकासी हेतु पर्याप्त अवसर मिल सके। उ०प्र० कोल्ड विनियमन अधिनियम-1976 में यह व्यवस्था निर्धारित है कि किरायादाता/कृषक कोल्ड स्टोरेज में स्टोर किये गये माल को रसीद में उसके लिये विनिर्दिष्ट दिनांक से, पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर न उठाये तो लाइसेन्सधारी/शीतगृह स्वामी द्वारा किरायादाता/कृषक को तुरन्त उसका नोटिस देगा जिसमें उससे (किरायादाता/कृषक) सम्युक रूप से उन्मोचित रसीद अभ्यर्पित करने और लाइसेन्सधारी/शीतगृह स्वामी को देय समस्त प्रभार का भुगतान करने के पश्चात माल को तुरन्त उठाने की अपेक्षा की जायेगी।

माता महाकाली धाम में नि:शुल्क नेत्र सेवा महोत्सव सम्पन्न

70 मोतियाबिंद रोगियों का होगा बिना शुल्क ऑपरेशन

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। सेवा ही श्रेष्ठ धर्म की भावना को चरितार्थ करते हुए जनपद के थाना कोतवाली मुहम्मदाबाद अंतर्गत यूसुफपुर स्थित माता महाकाली मंदिर परिसर में मंगलवार, 9 दिसंबर को विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सुबह से ही नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे और विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपनी आंखों की जांच कराई। मरीजों को निःशुल्क दवाएँ व आई ड्रॉप भी उपलब्ध कराए गए।शिविर बुजुर्गों के लिए

अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौके पर ही आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड बनवाने की सुविधा भी दी गई। जांच के दौरान 70 मोतियाबिंद रोगी चिन्हित हुए, जिनका निःशुल्क ऑपरेशन जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर गाजीपुर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. स्नेहा सिंह द्वारा किया जाएगा। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिवारीपुर के नेत्र चिकित्सक अनिवेश कुमार ने भी अपनी सेवाएँ देते हुए मरीजों की जांच की और मुफ्त दवाइयों का वितरण किया।यह प्रेरणादायक पहल समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी मीरा राय द्वारा की गई। शिविर आरंभ होने से पूर्व उन्होंने चिकित्सकों के साथ माता महाकाली का पूजन किया और कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए स्वयं मरीजों में दवाओं का वितरण किया।शिविर की सफलता में विनोद मद्धेशिया, हिमांशु कुशवाहा, संगम सिंह कुशवाहा, चंदन चौरसिया, गोरख सिंह यादव सहित अनेक स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर के पुजारी सत्य प्रकाश उर्फ. मुकेश जी ने सभी मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।यह सेवा शिविर क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आया ।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अ न ा ु च छ े द 14,15,16,17,19,20,21,23, 24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं। इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है।

सीएचसी राजापुर में सीएमओ का औचक निरीक्षण स्वास्थ्य केंद्र की खामियों पर सख्त निर्देश जारी

सुधार को एक सप्ताह की मोहलत, गंदगी पर भड़के चिकित्सा अधिकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार दोपहर 12 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की नब्ज टटोली। निरीक्षण के समय तक चिकित्सकों द्वारा 232 मरीजों को परामर्श दिया जा चुका था, वहीं जननी सुरक्षा वार्ड में 06 प्रसूताएँ और एनबीएसयू वार्ड में 02 नवजात भर्ती मिले। अधीक्षक सहित पूरा चिकित्सा व पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा। सीएमओ ने जेएसवाई वार्ड, स्टालेशन, एक्सरे और पैथोलॉजी कक्ष की जांच की, जहां तक 24 एक्सरे किए जा चुके थे। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत 20 महिला नसबंदी और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर 32 गर्भवतियों की एएनसी जांच की गई। दवाओं और संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त पाई गई। हालांकि, स्वास्थ्य केंद्र की सफाई व्यवस्था सीएमओ के सामने फेल हो गई। उन्होंने अधीक्षक को सख्त चेतावनी देते हुए एक सप्ताह की मोहलत दी कि व्यवस्था दुरुस्त न हुई तो कठोर कार्रवाई होगी। सर्दी को देखते हुए वार्डों में टूटी खिड़कियों की मरम्मत, पर्दे लगाने, बेड सुधारने तथा बेकार सामग्री की नीलामी कराने के भी निर्देश दिए। मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए हीटर, कम्बल और ठहरने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने टीकाकरण की सभी गतिविधियाँ यू-विन पोर्टल पर संचालित करने, पंजीकृत व अपंजीकृत सभी बच्चों का टीकाकरण अभियान पूरा कराने और रिपोर्ट एचएमआईएस पर दर्ज करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को भी शत-प्रतिशत पूर्ण कराने को कहा, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

सीएचसी राजापुर में जांच करते सीएमओ

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में इमार्टिकस सेमिनार, मल्टीनेशनल बैंकों के अवसरों पर हुई गहन चर्चा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के महर्षि वाल्मीकि सभागार में मंगलवार को इमार्टिकस लर्निंग के सहयोग से बैंकिंग एवं फाइनेंस क्षेत्र में रोजगार प्रवृत्तियों और चुनौतियों पर केंद्रित करियर सेमिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो आलोक चौबे संरक्षक तथा अध्यक्षता प्रो अमरजीत सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रो. आन्जनेय कुमार पांडेय रहे। इमार्टिकस विशेषज्ञों ने आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, एक्सिस, जेपी मॉर्गन, बैंक ऑफ अमेरिका, एचएसबीसी और गोल्डमैन सैक्स जैसी प्रतिष्ठित बैंकों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। प्रमुख वक्ता सत्य प्रकाश सिंह ने चयन प्रक्रिया, आवश्यक स्किल्स और इंडस्ट्री की चालू चुनौतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। विषय विशेषज्ञ शिवम जायसवाल और संचालक अमरजीत कुमार ने भी छात्रों के सवालों का समाधान किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर निवेश, करियर पथ और फाइनेंशियल सेक्टर पर महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। अंत में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में योग्य छात्रों का मूल्यांकन किया गया, जिन्हें भविष्य में 3 से 7 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिलने की संभावना बताई गई।

डायट की भाषाई कौशल प्रतियोगिता में प्रतिभाओं की चमक, विजेताओं को मिला मेडल व सम्मान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक स्तर पर भाषा कौशलों के विकास पर दिए गए जोर को आगे बढ़ाते हुए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, शिवरामपुर में जिला स्तरीय श्रुतलेख (हिंदी) एवं कंप्लीट द स्पेलिंग (अंग्रेजी) प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रत्येक विकासखंड से चयनित चार-चार छात्रों ने प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट प्राथमिक और कंपोजिट उच्च प्राथमिक स्तर पर मुकाबला किया। प्रतियोगिता में जान्हवी सिंह, अमृता सिंह, तनुज प्रताप और सौरभ त्रिपाठी ने अपने-अपने स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर प्राचार्य बीके शर्मा ने भाषा शुद्धता के महत्व पर जोर दिया, जबकि नोडल अधिकारी शिवप्रसाद ने इसे लंबी चयन प्रक्रिया का परिणाम बताया। विजेताओं को गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता में बच्चों को सम्मानित करते अधिकारीगण

10 से 28 दिसंबर के बीच मिलेगा अनाज आधार न चलने पर ओटीपी से भी वितरण

चित्रकूट। जिले में दिसंबर माह का राशन वितरण इस बार तय समय से पहले चर्चा में है। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम.2013 के तहत 10 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025 तक आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया जाएगा। इस दौरान अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल सहित 35 किलो अनाज मिलेगाए जबकि पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलो राशन. 2 किलो गेहूं और 3 किलो फोर्टिफाइड चावल. निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। अंत्योदय लाभार्थियों को अक्टूबर.दिसंबर तिमाही के लिए 3 किलो चीनी 18 रुपये प्रति किलो की दर से दी जाएगीए जिसकी पोर्टेबिलिटी मान्य नहीं होगी। 28 दिसंबर को आधार प्रमाणीकरण न होने पर ओटीपी वेरीफिकेशन से भी वितरण कराया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा नामित नोडल अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

हेलमेट न पहनने वालों को कलेक्ट्रेट में मिला सुरक्षा संदेश, जागरूकता अभियान ने किया ध्यान आकर्षित

- फूल व समझाइश के साथ संदेश
- कलेक्ट्रेट में चला विशेष अभियान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत बिना हेलमेट पहुंचने वाले लोगों को रोककर उन्हें नियमों का महत्व समझाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर शुरू हुई इस अनोखी पहल में अधिकारियों ने बिना हेलमेट आए नागरिकों को न तो फटकार लगाई और न ही चालान की धमकी दी- बल्कि उन्हें फूल भेंट कर यह संदेश दिया कि जीवन की सुरक्षा किसी भी जल्दबाजी या लापरवाही से बड़ी है। लोगों को बताया गया कि अधिकांश सड़क हादसों में गंभीर चोटें सिर्फ इसलिए होती हैं क्योंकि वाहन चालक हेलमेट पहनना कभी-कभी या चलो आज छोड़ देते हैं- जैसी सोच में रहते हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि हेलमेट पहनना कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुरक्षा ढाल है। उन्होंने सभी दोपहिया चालकों से अपील की कि नियमों को बोझ नहीं, बल्कि सुरक्षा के साथी के रूप में अपनाएं। कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारी और अन्य स्टाफ इस अभियान में शामिल रहे। प्रशासन ने संकेत दिया है कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे ताकि सड़क सुरक्षा सिर्फ बातों में नहीं, आदत में बदल सके।

जिले में अन्नपूर्णा भवनों की नई पहल, राशन वितरण व्यवस्था को मिलेगा नया ढांचा

चित्रकूट। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण अब रफ्तार पकड़ रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह के अनुसार, शासन ने मॉडल उचित दर दुकानों और अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण को राजकोषीय बजट से भी गति देने का निर्णय लिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के माध्यम से कर्वी और राजापुर तहसीलों में 6-6, जबकि मऊ और मानिकपुर में 4-4 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में चयनित 100 ग्राम पंचायतों में से 57 भवनों का निर्माण खाद्य एवं रसद विभाग के बजट से किया जाएगा। चयन का आधार पहुंच मार्ग, अविवादित भूमि, जनता की सुविधा और पुरानी दुकानों की जर्जर स्थिति रहा। कर्वी में 15, जबकि मऊ, मानिकपुर और राजापुर में 14-14 भवन बनाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों को कार्यदायी संस्था नामित किया है, जिन्हें 15 जनवरी 2026 तक स्लैब स्तर और 31 मार्च 2026 तक पूरा निर्माण कार्य पूरा करना अनिवार्य होगा।

किसानों का बड़ा हल्ला बोल- गौशाला से खाद संकट तक प्रशासन पर सवालों की बरसात, सौंपा ज्ञापन

- समाधान नहीं तो होगा उग्र आंदोलन
- गौशालाओं की दुर्दशा व खाद समस्या

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। भारतीय किसान यूनियन चित्रकूट के जिला अध्यक्ष राम सिंह राही के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को मऊ, पहाड़ी और कर्वी ब्लॉक के खंड विकास अधिकारियों- ओम प्रकाश यादव, संजय कुमार पाण्डेय और महिमा विद्यार्थी-को विभिन्न समस्याओं से जुड़े ज्ञापन सौंपने पहुंचा। जिलाध्यक्ष राही ने गौशालाओं की बदहाली को गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि ठंड के मौसम में जानवर खुले आसमान के नीचे कांप रहे हैं, जहां न पर्याप्त चारा है, न ठंड से बचाव की कोई ठोस व्यवस्था। उन्होंने चेताया कि ऐसी स्थिति में हर साल की तरह इस बार भी जानवरों की मौतें बढ़ने का खतरा है, इसलिए तत्काल सुधार जरूरी है। ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चौहान ने पहाड़ी ब्लॉक की समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि जंगली गायों से परेशान किसानों की शिकायतें अभी तक अनसुनी पड़ी हैं। बछरन और आसपास के किसानों ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे ब्लॉक परिसर में डेरा डाल देंगे। सदर ब्लॉक अध्यक्ष नरेश सिंह ने खाद संकट को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि किसान पहले डीएपी के लिए लाइन में थे, अब यूरिया के लिए खड़े हैं, जबकि कृषि विभाग प्रशासन को गलत आंकड़े देकर वास्तविक स्थिति छिपा रहा है। जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बिजली विभाग पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जर्जर खंभे, पुराने तार और महीनों तक बदले न जाने वाले ट्रांसफार्मर किसानों को लगातार परेशान कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि बांदा विद्युत वर्कशॉप के एक्सईएन की साप्ताहिक बैठक चित्रकूट में अनिवार्य की जाए, अन्यथा किसान आंदोलन तेज करेंगे। सभा में किसान यूनियन के कई पदाधिकारी और दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

तहसील में ज्ञापन सौपते भाकियू कार्यकर्ता

बॉडी बिल्डिंग इंडिया शो में चित्रकूट के मयंक की धमाकेदार एंट्री, जीता तीसरा पुरस्कार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के मयंक यादव ने बॉडी बिल्डर इंडिया शो की रीजनल कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम देशभर में चमका दिया। बचपन से ही कुछ अलग करने की चाह रखने वाले मयंक व्यायाम और कुश्ती के शौकीन रहे हैं और जिला स्तर पर कई खिताब अपने नाम कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर जनसत्ता दल के जिलाध्यक्ष कुणाल प्रताप सिंह सरकार ने बधाई देते हुए कहा कि मयंक की मेहनत एक दिन उन्हें राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाएगी। वहीं पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, समाजसेवी केशव प्रसाद यादव, रामवतार यादव, पत्रकार निरंजन पाण्डेय, सभासद शंकर यादव, अशोक द्विवेदी, रतन पटेल सहित कई लोगों ने मयंक की सफलता पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मयंक की जीत ने जिले के युवाओं में नई ऊर्जा भर दी है।

पदक के साथ चित्रकूट के मयंक

सोनेपुर अस्पताल में 20 नवजात बेटियों का उत्सव, केक काटकर दिया संदेश

चित्रकूट। मंगलवार को चित्रकूट में राज्य महिला आयोग अध्यक्ष एवं महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) श्रीमती कमलावती सिंह का आगमन हुआ। सोनेपुर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में भाजपा अध्यक्ष, पूर्व राज्य मंत्री, कोऑपरेटिव अध्यक्ष तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में उन्होंने 20 नवजात बच्चियों का कन्या जन्मोत्सव बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ थीम पर मनाया। कार्यक्रम में उन्होंने केक काटकर मिठाई बांटी और महिलाओं को अपने हाथों से केक खिलाया। नवजातों को हिमालय कंपनी के बेबी किट भी वितरित किए गए। श्रीमती सिंह ने उपस्थित जनसमूह को बेटा-बेटी में भेदभाव नहीं करने और बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, चाइल्डलाइन टीम, नीति आयोग प्रतिनिधि पूजा सहित लगभग 50 से अधिक लोग मौजूद रहे।

2026 परीक्षाओं से पूर्व शिक्षकों की सटीक जानकारी अनिवार्य, दोहरी प्रविष्टि पर रोक

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने स्पष्ट किया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की 4 दिसंबर की विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है, जिसके साथ ही परीक्षा से जुड़े सभी दायित्वों के लिए शिक्षकों का अद्यतन विवरण अपलोड कराना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि अपने विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की जानकारी परिषद की वेबसाइट पर पूरी सावधानी से अपडेट करें और एक बार पुनः गहनता से जांच भी कर लें, ताकि किसी भी शिक्षक का नाम, पदनाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, मोबाइल नंबर, शैक्षिक योग्यता तथा विषय कोड में कोई त्रुटि न रह जाए। विशेष जोर इस बात पर दिया गया है कि गलत विषय वाले शिक्षक परीक्षक न बनें और किसी का विवरण दो विद्यालयों से अग्रसारित न हो। यदि भ्रामक या गलत जानकारी से कोई अयोग्य शिक्षक परीक्षक नियुक्त होता है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी सम्बंधित प्रधानाचार्य की होगी। पोर्टल 15 दिसंबर 2025 तक सक्रिय रहेगा।

प्रदेश की 350 तहसीलों में मऊ सबसे आगे, शिकायत निपटान में दिखाई तेजी

चित्रकूट। जनपद की मऊ तहसील ने आईजीआरएस-एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली- में नवंबर माह की राज्य स्तरीय रैंकिंग में ऐसा कमाल किया कि प्रदेश की सभी 350 तहसीलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के मार्गदर्शन और उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन की सटीक निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। इसी दौरान जिले की समग्र रैंकिंग भी 75 जनपदों में 22वें स्थान पर दर्ज की गई। जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मानिकपुर तहसील 42वें, राजापुर 74वें और कर्वी तहसील 89वें स्थान पर रही।

एसआईआर अभियान पर भाजपा की बड़ी बैठक हर बूथ पर जनसम्पर्क तेज करने का आह्वान

- हर घर तक दस्तक का संकल्प
- मंडलों में समीक्षा, बूथों पर जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में भाजपा द्वारा एसआईआर- मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान- की प्रगति और समीक्षा को लेकर दोनों विधानसभाओं के विभिन्न मंडलों में महत्वपूर्ण बैठकें की गईं। बैठक में मुख्य अतिथि थीं भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं यूपी महिला कल्याण निगम की अध्यक्षा श्रीमती कमलावती सिंह, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य ने की। अभियान संयोजक एवं जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय के संयोजकत्व में आयोजित इन बैठकों में पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद भैरोप्रसाद मिश्र, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। बैठक के बाद कमलावती सिंह ने मतदान केंद्र पहुंचकर बीएलओज को अंगवस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान केवल संगठन नहीं, बल्कि प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का दायित्व है। हर बूथ पर युवा, महिला, किसान, पिछड़ा और अनुसूचित मोर्चा मिलकर जनसम्पर्क बढ़ाएं और प्रत्येक घर तक अभियान की जानकारी पहुँचाएं। आलोक पाण्डेय ने 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं को नवमतदाता बनाने के लिए घर-घर संपर्क का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी के अनुसार बीएलओ और बीएलए के सहयोग से अभियान में सकारात्मक प्रगति दर्ज हुई है। बैठक में विभिन्न मंडलों के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद भाजपाई

चित्रकूट में सिक्योरिटी भर्ती कैंप, युवाओं के लिए रोजगार और ट्रेनिंग का बड़ा मौका

वेतन 14 से 35 हजार तक

चित्रकूट। सेवायोजन कार्यालय कर्वी में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बड़ा अवसर आने वाला है। जिला सेवायोजन अधिकारी के अनुसार प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय लखनऊ के निर्देश पर एसआईएस लिमिटेड लखनऊ द्वारा 10 दिसंबर को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर और अधिकारी पदों के लिए भर्ती कैंप लगाया जाएगा। गार्ड पद के लिए 10वीं पास या फेल भी मान्य है, जबकि सुपरवाइजर हेतु इंटरमीडिएट और अधिकारी पद के लिए स्नातक जरूरी है। चयन भर्ती अधिकारी कृष्ण कुमार ओझा द्वारा साक्षात्कार आधारित होगा। चयनित अभ्यर्थियों से फार्म शुल्क, मेडिकल व ट्रेनिंग चार्ज सहित यूनिफॉर्म किट की फीस ली जाएगी। विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक 8787090926 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रदेशभर की प्रतियोगिता में चमका कर्वी का संस्कृत सितारा गोपाल मिश्र, निर्णायकों ने की सराहना

चित्रकूट। उप्र संस्कृत संस्थान लखनऊ के निर्देशन में आयोजित संस्कृत प्रतिभा खोज में इस बार कर्वी ने अपना दमदार परचम लहराया। जयदेव वैष्णव संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित चयन में प्रदेशभर से प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र शामिल हुए। तर्क संग्रह और लघु सिद्धांत कौमुदी कंठस्थ प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं के छात्र गोपाल मिश्र पुत्र योगेश मिश्र ने सम्पूर्ण लघु सिद्धांत कौमुदी निर्बाध रूप से कंठस्थ सुनाकर निर्णायकों को चकित कर दिया और उत्तर प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। छात्र की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ मनोज द्विवेदी ने प्रसन्नता जताते हुए शुभकामनाएँ दीं।

धान बेचकर लौट रहे किसान को दबंगों ने रास्ते में रोका, लाखों की लूट कर फरार हुए

मऊ/चित्रकूट। जिले के मऊ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात अपराधियों ने एक किसान को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। धान बेचकर घर लौट रहे कोपा निवासी जितेंद्र कुमार को मटियारा पुल के पास चार अज्ञात बदमाशों ने रोक लिया। लुटेरों ने उन पर हमला कर 1 लाख 95 हजार रुपये छीन लिए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें सीएचसी रामनगर पहुँचाया गया, जहाँ से हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर मऊ थाना प्रभारी दुर्गेश सिंह मौके पर पहुँचे और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अलग-अलग टीमों को बदमाशों की तलाश में लगा दिया।

कांग्रेस ने अस्पताल में फल वितरण कर सोनिया गांधी के त्याग और नेतृत्व को किया नमन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन चित्रकूट में मंगलवार को सेवा और संवेदना के साथ मनाया गया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला अस्पताल सोनेपुर पहुँचे, जहाँ मरीजों को फल और बिस्किट वितरित किए गए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस की बागडोर उस दौर में संभाली, जब परिस्थितियाँ अत्यंत कठिन थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पद तक का त्याग कर राजनीति में त्याग, संतुलन और सेवा की मिसाल पेश की। पार्टी को आगे बढ़ाने में उनका योगदान आज भी याद किया जाता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गज्जू प्रसाद फौजी और अवधेश करवरिया ने कहा कि सोनिया गांधी हमेशा गरीब, मजदूर और किसान की आवाज बनी रहीं और संगठन में सभी वर्गों को समाहित करने का काम किया। जन्मदिन पर उनके दीर्घायु की कामना करते हुए नेताओं ने कहा कि उनका व्यक्तित्व भारतीय राजनीति में एक संतुलित और संवेदनशील नेतृत्व का प्रतीक है। कार्यक्रम में शिव गुलाम वर्मा, रामकृपाल, राजेश कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, महेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह पटेल और वीरेंद्र सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनेपुर अस्पताल में मरीजों संग कांग्रेसी

फसल सुरक्षा अभियान तेज, बाइक रैली के जरिये किसानों तक पहुंचा बीमा संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2025-26 के तहत जनपद में फसल बीमा सप्ताह (1 से 7 दिसंबर) की शुरूआत एक अनोखे अंदाज में हुई। उप कृषि निदेशक राजकुमार ने बताया कि किसानों तक बीमा योजना की वास्तविक जानकारी पहुंचाने के लिए चित्रकूट में फसल बीमा बाइक रैली निकाली गई, जिसे उन्होंने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में जनपद व ब्लॉक स्तर पर कार्यरत यूनिवर्सल सोम्पो बीमा कंपनी के प्रतिनिधि और जन सेवा केंद्र संचालकों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व ब्लॉक स्तर पर किसानों को जागरूक करना, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना और ऋणी एवं गैर-ऋणी दोनों श्रेणियों के किसानों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। उप कृषि निदेशक ने किसानों को अवगत कराया कि रबी 2025-26 की फसलों के बीमा की अंतिम तारीख 31 दिसंबर निर्धारित है। जनपद में गेहूं, सरसों, मटर, मसूर, जौ और चना कुल छह फसलें अधिसूचित हैं, जिनका बीमा किसान 1.5 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर प्रीमियम जमा कर करा सकते हैं। किसी भी जानकारी, शिकायत, सुझाव या फसल नुकसान की सूचना आपदा के 72 घंटे के भीतर संयुक्त टोल-फ्री नंबर 14447 पर दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 में बेमौसम बारिश से प्रभावित 1231 कृषकों को कुल 60 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति सीधे खातों में भेज दी गई है, जबकि बाकी भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

भारतीयों के साथ तमीज से रहो...

चीन को विदेश मंत्रालय ने अलग अंदाज में समझा दिया, जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

शंघाई

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को चीन से "आश्वासन" माँगा कि चीनी हवाई अड्डों से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को "चुनिंदा निशाना नहीं बनाया जाएगा, मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा" और बीजिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का सम्मान करेगा। साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक यात्रा परामर्श भी जारी किया जिसमें चीन की यात्रा करने वाले या वहाँ से गुजरने वाले भारतीयों को उचित विवेक का प्रयोग करने की चेतावनी दी गई। जायसवाल मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे, जब उनसे पूछा गया कि विदेश मंत्रालय चीन जाने वाले या वहां से होकर जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए क्या सिफारिश करता है। पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला पेमा वांगजोम थोंगडोक को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोके रखा गया था। चीनी अधिकारियों ने दावा किया था कि उनका भारतीय पासपोर्ट

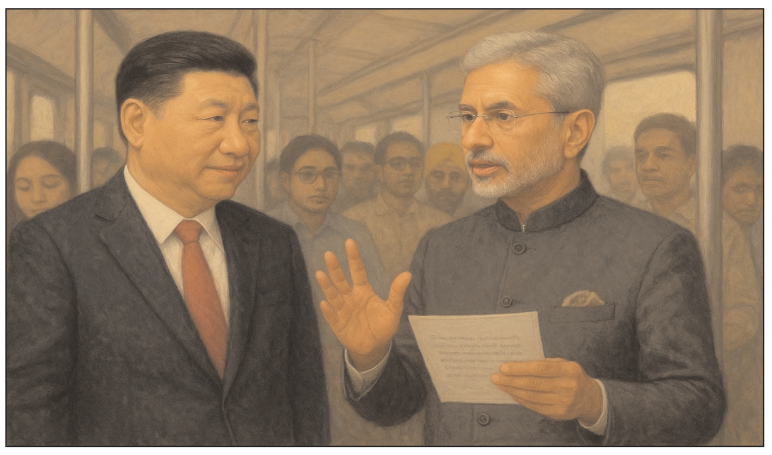

अवैध है, क्योंकि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है।

शंघाई हवाई अड्डे पर हुई हालिया घटना, जिसका आपने ज़िक्र किया है, के बाद हम आपकी चिंता से पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीनी अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को चुनिंदा तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीनी पक्ष द्वारा सम्मान किया जाएगा। विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को चीन की यात्रा करते या वहाँ से गुजरते समय उचित विवेक का प्रयोग करने की सलाह देगा। थोंगडोक 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं और शंघाई पुडोंग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रुकी थीं। तभी चीनी आव्रजन अधिकारियों ने उनके भारतीय पासपोर्ट को अमान्य घोषित कर दिया और उनकी राष्ट्रीयता का मजाक उड़ाते हुए कहा कि अरुणाचल भारत का हिस्सा नहीं है।

इस घटना के बाद, भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य "भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग" है। साथ ही, भारत ने यह भी कहा कि बीजिंग की ओर से किसी भी तरह का इनकार इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकता। जायसवाल ने पिछले महीने एक अलग प्रेस वार्ता में थोंगडोक से जुड़ी घटना पर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था और हिरासत को "मनमाना" बताया था।

उन्होंने इस मामले पर भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार ने घटना के तुरंत बाद बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों जगहों पर चीन को कड़ा विरोध पत्र जारी किया था ।

नोकुंडी हमले से बलूचिस्तान में विदेशी निवेश पर छाया संकट, कर्मचारियों के आवास को बनाया जा रहा निशाना

पाकिस्तान

बलूचिस्तान के नोकुंडी में रेको दिक और संदक खनन परियोजनाओं से जुड़े आवासीय परिसर पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले ने क्षेत्र में संघर्ष को और बढ़ा दिया है और विदेशी निवेशकों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। 30 नवंबर की देर रात को किए गए इस हमले में पाकिस्तान की सबसे मूल्यवान खनिज परियोजनाओं पर काम कर रहे विदेशी इंजीनियरों और कर्मचारियों के आवास को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह अभियान उसकी नवगठित सद्दो ऑपरेशनल बटालियन (एसओबी) द्वारा चलाया गया था। हमले की शुरूआत फ्रंटियर कोर मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर एक आत्मघाती बम विस्फोट से हुई, जिसके बाद आवासीय क्षेत्र में सशस्त्र घुसपैठ की गई।

समूह ने दावा किया कि उसके लड़ाके 36 घंटे से ज्यादा समय तक पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ डटे रहे, जिससे यह हाल के वर्षों में सबसे लंबे और समन्वित हमलों में से एक बन गया। यह हमला अपने स्थान के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नोकुंडी और आसपास के इलाके बलूचिस्तान के सबसे ज्यादा सुरक्षा वाले इलाकों में से हैं, क्योंकि यहाँ अरबों डॉलर की विदेशी निवेश परियोजनाएँ मौजूद हैं, जिनमें बैरिक गोल्ड की रेको दिक खदान और चीन द्वारा संचालित सैंदक तांबा-सोना परियोजना शामिल है। किसी आतंकवादी समूह का इतने सुरक्षित इलाके में घुसना, संचालन संबंधी कुशलता, खुफि या जानकारी जुटाने और संगठनात्मक अनुशासन के एक नए स्तर का संकेत देता है।

बीएलएफ ने इस ऑपरेशन को एसओबी बटालियन का पहला मिशन बताया और इसे पाकिस्तान, बैरिक गोल्ड, चीन और बलूचिस्तान की खनिज संपदा में शामिल या रुचि रखने वाले सभी विदेशी निवेशकों के लिए एक जानबूझकर किया गया संदेश बताया। इसके तुरंत बाद, स्थिति तनावपूर्ण और विनाशकारी बनी रही। बीएलएफ ने दावा किया कि हमले के दौरान दर्जनों सुरक्षाकर्मी और कई विदेशी कर्मचारी मारे गए और विदेशी बंधक बनाए गए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने शुरूआत में सीमित जानकारी जारी की, लेकिन बाद में बताया कि दो दिन बाद चलाए गए एक निकासी अभियान के दौरान छह आतंकवादी मारे गए।

शेख हसीना का नाम लेकर ऐसा क्या बोले युनूस, भारत ने कराई बोलती बंद

बांग्लादेश

भारत ने एक ऐसा फैसला लिया है जिसने बांग्लादेश और पाकिस्तान की जबरदस्त धज्जियां उड़ा कर रख दी है। शेख हसीना को लेकर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जय शंकर ने पूरी दुनिया के सामने वो ऐलान कर दिया कि यूनुस के पैरों तले जमीन खिसक गई। यूनुस ने बड़ी प्लानिंग रची, चालबाजी की। मगर सारी की सारी चालबाजी को भारत ने एक ही झटके में क्लीन बोल्ड कर डाला। शेख हसीना जब पिछले साल बांग्लादेश में हुए सियासी बदलाव के बाद भारत आई तब से यूनुस सरकार उनके पीछे लग गई। भारत सरकार पर भी तरह-तरह की बातें की गई। अभी पिछले महीने ही बांग्लादेश के ट्रिब्यूनल कोर्ट में शेख हसीना को सजा दी गई। जिसके बाद भारत को लेकर भी यह लेटर जारी किए गए कि अब शेख हसीना को बांग्लादेश आना ही पड़ेगा। मगर अब बांग्लादेश की हवाबाजी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निकाल दी।

दरअसल जब एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या हसीना का भारत में जब

तक वह चाहे रहने का स्वागत है तो इस पर उन्होंने कहा कि वो एक खास हालात में यहां आई थी और वह हालात साफ तौर पर उनके साथ जो होता है उसमें एक अहम फैक्टर निभा रहा है। लेकिन यह कुछ ऐसा है जो उन्हें तय करना होगा। विदेश मंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहे भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

भारत-बांग्लादेश संबंध

नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जयशंकर ने पड़ोसी देश में एक विश्वसनीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आवश्यकता पर भारत के रुख पर जोर दिया।

बांग्लादेश में पिछले राजनीतिक मुद्दों का उल्लेख करते हुए, जयशंकर ने कहा कि हमने सुना है कि बांग्लादेश के लोगों, खासकर जो अब सत्ता में हैं, को पहले चुनावों के संचालन के तरीके से समस्या थी। अब, अगर मुद्दा चुनाव का है, तो सबसे पहले निष्पक्ष चुनाव कराना होगा। जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य के प्रति आशा व्यक्त करते हुए अपने भाषण का समापन किया और अपने पड़ोसी के प्रति भारत की लोकतांत्रिक प्राथमिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाँ तक हमारा संबंध है, हम बांग्लादेश के लिए शुभकामनाएँ देते हैं। एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हम मानते हैं कि कोई भी लोकतांत्रिक देश लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से लोगों की इच्छा को सुनिश्चित होते देखना पसंद करता है।

इधर ट्रंप कर रहे थे बड़ा दावा, तभी पीस प्लान को पलीता लगा कंबोडिया ने यहां मिसाइल गिरा दिया

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का एक बयान है। दरअसल मैंने आठ युद्ध खत्म किए थे। बोले ट्रंप रूस यूक्रेन युद्ध आसान लगा था। इसे आसान नहीं बनाया जा रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से जब इस तरह के बड़े बड़े दावे किए जा रहे थे तभी कंबोडिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति के पीस प्लान को पलीता लगाकर थाईलैंड को हमले से दहला दिया। थाईलैंड के कई इलाकों में अफरातफरी का माहौल बताया जा रहा है। तो एक बार फिर से थाईलैंड में हमला कर दिया गया। थाईलैंड और कंबोडिया वॉर की शुरूआत फिर से हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्था में कहा गया था कि सीज फायर कराया गया लेकिन एक बार फिर से दोनों देश भिड़ गए हैं।

दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रुकवा दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला।

मेडल पहनते ही ट्रंप को लगा करंट, मोदी-पुतिन की छूट जाएगी हंसी

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा करंट लगा है जिसने उनके अहंकार को जलाकर राख कर दिया है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात के बाद डोनाल्ड ट्रंप के साथ जो हुआ है उसने अमेरिका और यूरोप में बवाल मचा दिया है। अमेरिका और यूरोप के लोग डोनाल्ड ट्रंप पर इतना भड़क गए हैं कि उन्हें देशद्रोही बोल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप को रूसी नागरिक तक बोल रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रंप इज ट्रेटर और ट्रंप इस रशियन नाम के ट्रेंड चल रहे हैं। पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात के बाद डोनाल्ड ट्रंप को कैसे कर्मों का फल मिला है उसे देखकर भारत के लोगों को सबसे ज्यादा सुकून मिलेगा। ट्रंप ने एक ही समय पर अपने दोनों

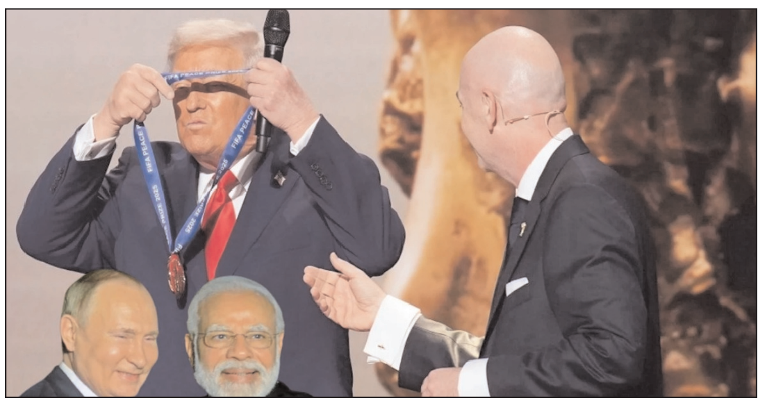

पैर कुल्हाड़ी पर जाकर मारे हैं। ट्रंप ने दुनिया में क्या दो बवाल खड़े कर दिए हैं वो आपको इस वीडियो में बताते हैं।

दुनिया का सबसे पॉपुलर स्पोर्ट फुटबॉल कराने वाली फुटबॉल एजेंसी फीफा ने डोनाल्ड ट्रंप को कई जंग रुकवाने के लिए शांति का पुरस्कार दे दिया। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। शांति का यह अवार्ड पाने के लिए डॉन्ड ट्रंप इतने उतावले दिखे कि वो खुद ही मेडल पर लपक पड़े और खुद ही मेडल पहन भी लिया। मेडल पहनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने का क्रेडिट खाया। इसके अलावा डॉन्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच जंग रुकवाई। ऐसी ही कई जंग मैंने रुकवाई।

लेकिन ट्रंप को पता नहीं था कि मेडल पहनते ही उन्हें झटका लगने वाला है। दरअसल जैसे ही डोनाल्ड ट्रंप ने मेडल पहना उसके कुछ ही घंटों बाद कंबोडिया और थाईलैंड में एक बार फिर जंग शुरू हो गई।

अफगानिस्तान को धमका रहा था पाकिस्तान, तभी तालिबान ने तोप लगाया और स्पिन बोल्डक गेट ही उड़ा दिया

अफगानिस्तान

अफगानिस्तान और पाकिस्तान को जोड़ने वाला स्पिन बोल्ट का मशहूर फ्रेंडशिप गेट अब टूट चुका है। यह कभी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों का प्रतीक माना जाता था। लेकिन अब इसकी हालत जर्जर हो चुकी है। कभी

मजबूती से खड़ा यह दरवाजा अब गोलीबारी और धमाकों के निशान लिए खंडहर बन गया है। दूसरी ओर जून 2025 की पुरानी तस्वीरें याद दिलाती हैं कि यही दरवाजा कुछ महीनों पहले तक बिल्कुल सुरक्षित, साफ सुथरा और व्यापारिक गतिविधियों का शांत गवाह है। दरअसल हाल ही में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर से सीमा पर झड़प तेज हो गई।

दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई जिसने दोनों देशों के रिश्तों को एक बार फिर संकट में डाल दिया। बॉर्डर के दोनों ओर से मोटार और भारी हथियारों का इस्तेमाल हुआ जिसकी आवाजें कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। स्थानीय लोग बताते हैं कि हालात इतने खराब थे कि परिवारों को बिना सामान समेटे घर छोड़कर भागना पड़ा।

उषा को वापस भेजो, जेडी वेंस के प्रवासन वाले बयान पर सोशल मीडिया पर किया गया ट्रोल

अमेरिका

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने एक बार फिर राजनीतिक बहस में उलझते हुए घोषणा की है कि बड़े पैमाने पर प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है। यह बात इंटरनेट पर तुरंत चर्चा का विषय बन गई, पाखंड के आरोप लगने लगे और नाश्ते से पहले हजारों मीम्स जारी हो गए। वेंस ने इस सप्ताह यह घोषणा करके राजनीतिक खलबली मचा दी कि सामूहिक प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है, जिसे आलोचकों ने तुरंत पाखंडी करार दिया क्योंकि उनकी पत्नी उषा,

भारतीय प्रवासियों की अमेरिकी मूल की बेटी हैं।

वेंस ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा किया था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि आप्रवासी अमेरिकी श्रमिकों के अवसरों को छीन रहे हैं, तथा आरोप लगाया था कि जो भी अध्ययन इसके विपरीत कहते हैं, वे पुरानी व्यवस्था से अमीर बन रहे लोगों द्वारा वित्तपोषित हैं।

एक यूजर ने तुरंत जवाब दिया इसका मतलब है कि आपको उषा, उसके भारतीय परिवार और अपने द्विजातीय बच्चों को वापस भारत भेजना होगा। हवाई जहाज के टिकट खरीदते समय हमें बताएँ। आपको खुद उदाहरण पेश करना होगा।

इस बीच, व्यापक आव्रजन प्रतिबंध जारी है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.: 9565333000

Email: akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

पुतिन के जाने के बाद अब जेलेंस्की क्यों आ रहे भारत? पीएम मोदी ऐसे खत्म कराएंगे जंग!

यूक्रेन

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत का दौरा किया। जिसके बाद से ही कई तरह की चर्चाएं हो रही है। एक चर्चा रूस यूक्रेन युद्ध की भी हो रही है क्योंकि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध पर तठस्थ या न्यूट्रल नहीं है। हम लोग शांति के समर्थक हैं और चाहते हैं कि दुनिया शांति की राह पर लौटे। पीएम मोदी के इस बयान पर पुतिन ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। जिसके बाद से यह लगने लगा कि भारत ही वो देश है जो अब इस युद्ध को खत्म करा सकता है और इसका अब एक और बड़ा सिग्नल भी मिल गया है क्योंकि पुतिन के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की भी भारत दौरे पर आ रहे हैं।

दुनिया को किसी भी झगड़े को सुलझाने के लिए दबाव वाली नीति नहीं बल्कि अब भारत की शांतिप्रिय नीति ही अच्छी लग रही है। आपने देखा होगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सरपंच बनकर कैसे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए दबाव वाली नीति को हथियार बनाया लेकिन बात नहीं बनी। ऐसे में रूस यूक्रेन ही नहीं बल्कि दुनिया को

यह भरोसा है कि यह जंग सिर्फ और सिर्फ भारत ही रुकवा सकता है। और पीएम मोदी इस मुद्दे पर कैसे मजबूती के साथ काम कर रहे हैं, इसका बड़ा उदाहरण पुतिन के दौरे के दौरान भी देखने को मिला। पुतिन के साथ चर्चा में यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। अब कहा जा रहा है कि पीएम मोदी ने पुतिन के सामने वो प्लान पेश कर दिया है जो यह जंग खत्म कराने वाला है जिससे पुतिन भी सहमत है। जिसके बाद यह कहा जा रहा था कि जेलस्की को इसके लिए कैसे राजी किया जाएगा।

खबर है कि जेलस्की कुछ ही दिनों बाद जनवरी में भारत दौरे पर आ रहे हैं। जेलस्की के दिल्ली दौरे की तैयारी भी शुरू हो गई है। दरअसल भारत लगातार कीव और मॉस्को के संपर्क में है और शांति के लिए दोनों ही देशों से बात कर रहा है। पीएम मोदी खुद यूक्रेन का भी दौरा कर चुके हैं।

मोदी ने जेलस्की से कम से कम आठ बार फोन पर बात भी की है। जुलाई 2024 में पीएम मोदी मॉस्को गए थे और पुतिन से मिले थे और उसके बाद 1 महीने बाद अगस्त में उन्होंने यूक्रेन का दौरा किया था।